संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 80
पृष्ठ 8
रविवार
07 दिसम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- कोरोना से भी ज्यादा खतरनाक....
विचार- अर्थव्यवस्था की हालत ठीक नहीं...
खेल- भारत-पाकिस्तान एशिया कप ट्रॉफी...

पीएम मोदी की साहित्यिक कूटनीतिः

भगवत गीता से लेकर एससीओ तक, भारत की ज्ञान और संस्कृति दुनिया तक पहुंचेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत दौरे पर आए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बृहस्पतिवार को रूसी भाषा में अनुदित भगवत गीता भेंट की थी। लेकिन यह पहला मौका नहीं है जब उन्होने भारत के साहित्य और संस्कृति को वैश्विक मंच तक पहुंचाने में रुचि दिखाई हो। पीएम मोदी पहले भी भारतीय ज्ञान को देश की सीमाओं से परे पहुंचाने की पहल कर चुके हैं। साहित्य अकादमी के पूर्व सचिव के श्रीनिवास राव बताते हैं कि 2019 में प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय साहित्यिक कृतियों को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों की भाषाओं में अनुदित कराने का

विचार रखा था। उस समय एससीओ शिखर सम्मेलन किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में हुआ था। तब प्रधानमंत्री ने दस आधुनिक भारतीय साहित्यिक कृतियों का एससीओ देशों की भाषाओं में अनुवाद कराने की बात कही थी ताकि इन देशों के पाठक सीधे भारतीय लेखन तक पहुंच सकें।

प्रधानमंत्री के इस कदम से भारत की साहित्यिक और आध्यात्मिक विरासत वैश्विक बातचीत का हिस्सा बनी। राव ने कहा कि यह पहल दर्शाती है कि साहित्य और आध्यात्मिक ग्रंथ उनके कूटनीतिक जुड़ाव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। जब भारत ने कोविड के दौरान एससीओ की अध्यक्षता संभाली, तो अनुदित कृतियों को औपचारिक रूप से जारी किया गया। चाहे आधुनिक कृतियों के माध्यम से हो या कालातीत आध्यात्मिक ग्रंथों के माध्यम से, प्रधानमंत्री यह सुनिश्चित करते हैं कि भारत की कहानियां, विचार और ज्ञान सीमाओं से परे पहुंचें और और शब्दों की शक्ति के माध्यम से देशों को जोड़ें।

चीनी सरकारी मीडिया समूह ग्लोबल टाइम्स राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की उस टिप्पणी को प्रमुखता से प्रकाशित किया है जिसमें उन्होंने भारत और चीन दोनों को रूस का घनिष्ठ मित्र बताया मगर इस बात पर जोर दिया कि मॉस्को को चीन और भारत के द्विपक्षीय संबंधों में हस्तक्षेप का कोई अधिकार नहीं है। रूस के घनिष्ठ सहयोगी चीन ने हालांकि पुतिन की भारत यात्रा पर आधिकारिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है मगर वह इसके परिणामों पर नजर बनाए हुए है। पुतिन की भारत यात्रा को चीन की आधिकारिक मीडिया ने ज्यादातर नजरअंदाज किया। उसने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की बीजिंग की वर्तमान यात्रा पर ज्यादा ध्यान केंद्रित किया। हालांकि ग्लोबल टाइम्स ने पुतिन की इस टिप्पणी पर एक रिपोर्ट प्रकाशित की कि वह भारत और चीन के साथ रूस के संबंधों को कैसे देखते हैं। दैनिक ने इंडिया टुडे को दिए पुतिन के साक्षात्कार का हवाला देते हुए कहा, भारत और चीन हमारे सबसे करीबी दोस्त हैं, हम इस रिश्ते को बहुत महत्व देते हैं।

मुंबई में बोले पूर्व सीजेआई

75 वर्षों में सुप्रीम कोर्ट ने मजबूत की अभिव्यक्ति की आजादी

मुंबई,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि भारती सुप्रीम कोर्ट ने पिछले 75 वर्षों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे को लगातार विकसित किया है। उन्होंने कहा कि संविधान का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकार को दिए गए प्रतिबंध लगाने के अधिकार से नागरिकों की बोलने–सोचने की स्वतंत्रता कमजोर न पड़े। यह बात पूर्व सीजेआई गवई ने शुक्रवार को मुंबई में आयोजित जस्टिस केटी देसाई मेमोरियल लेक्चर 2025 के दौरान कही। बता दें कि लेक्चर संबोधित करने के दौरान गवई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता उसका दायरा और सीमाओं' के विषय पर बोल रहे थे। उन्होंने आजादी के बाद से सुप्रीम कोर्ट के कई ऐतिहासिक फैसलों का जिक्र किया और बताया कि किस तरह अदालत ने नागरिकों के अधिकारों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

गवई ने कहा कि पिछले सात दशकों में न्यायालय ने अनुच्छेद 19(1) के तहत मिले बोलने की स्वतंत्रता को मजबूत किया है और साथ ही अनुच्छेद 19(2) के तहत लगाए जा सकने वाले प्रतिबंधों को स्पष्ट और सीमित भी किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उद्देश्य हमेशा यही रहा कि कहीं दखलअंदाजी ज्यादा न हो जाए और अधिकार कमजोर न पड़े। उन्होंने बताया कि अदालत ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को केवल बोलने तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे व्यक्ति की पहचान, गरिमा और आत्मसम्मान से जुड़े अधिकारों तक भी विस्तारित किया है। इसी संदर्भ में उन्होंने एक महत्वपूर्ण फैसले का जिक्र किया जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को अपनी पहचान और जेंडर व्यक्त करने का संवैधानिक अधिकार है।

इंडिगो संकट पर मंत्रालय बोला-

बेतहाशा बढ़ते हवाई किराये पर सरकार सख्त

नई दिल्ली,एजेंसी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इंडिगो संकट के चलते कुछ एयरलाइंस की ओर से असामान्य रूप से ज्यादा हवाई किराया वसूले जाने से जुड़ी चिंताओं को गंभीरता से लिया है। केंद्र सरकार ने शनिवार को सभी एयरलाइंस को निर्देश जारी किए हैं कि यात्रियों से तय सीमा से ज्यादा किराया न वसूला जाए। सरकार की ओर से कहा गया है कि ऐसा करने पर कार्रवाई की जाएगी। इंडिगो की ओर से बीते पांच दिनों में 2000 से ज्यादा उड़ानें रद्द की गई हैं। इसकी वजह से यात्रियों को बढ़े हुए किराये से लेकर अन्य तमाम परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। घरेलू उड़ानों के मामले में इंडिगो देश की सबसे बड़ी एयरलाइन है। घरेलू उड़ानों के बाजार की बात करें तो इंडिगो का करीब 60 फीसदी बाजार पर कब्जा है। इंडिगो के संचालन में आ रही समस्या की वजह से यात्रियों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसकी वजह से विमान किराये में भी बेतहाशा वृद्धि दर्ज की गई है। मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि यात्रियों को किसी भी प्रकार के मुनाफाखोरी से बचाने के लिए मंत्रालय ने सभी प्रभावित मार्गों पर उचित और वाजिब किराया सुनिश्चित करने के लिए अपनी नियामक शक्तियों का प्रयोग किया है।

केंद्र सरकार ने बताया है कि सभी एयरलाइनों को एक आधिकारिक निर्देश जारी किया गया है जिसमें अब निर्धारित किराया सीमा का कड़ाई से पालन अनिवार्य किया गया है। मंत्रालय के बयान के मुताबिक ये सीमाएं तब तक लागू रहेंगी जब तक स्थिति पूरी तरह से स्थिर नहीं हो जाती। मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि इस निर्देश का उद्देश्य बाजार में मूल्य निर्धारण अनुशासन बनाए रखना, संकटग्रस्त यात्रियों के किसी भी शोषण को रोकना और यह सुनिश्चित करना है कि जिन नागरिकों को तत्काल यात्रा करने की आवश्यकता है– जिनमें वरिष्ठ नागरिक, छात्र और मरीज शामिल हैं – इस अवधि के दौरान वित्तीय कठिनाई का सामना न करें।

आंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस:सीएम योगी बोले-

बाबा साहब की हर मूर्ति के आसपास सुरक्षात्मक बाउंड्रीवॉल बनेगी

लखनऊ,संवाददाता। सीएम योगी ने शनिवार को कहा, बाबा साहब की मूर्तियों के साथ अक्सर शरारती तत्व छेड़छाड़ करते हैं। हमारी सरकार निर्णय ले रही है कि बाबा साहब की हर मूर्ति के आसपास सुरक्षात्मक बाउंड्री वॉल बनाई जाए, ताकि उनकी प्रतिमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। जिस मूर्ति के ऊपर छत नहीं होगी, वहां छत बनवाएंगे। यदि कहीं कोई काम छूट गया है, तो उसे भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा। आज इस पावन अवसर पर मैं बाबा साहब की पावन स्मृति को नमन करता हूं। अभी यहां लालजी प्रसाद निर्मलजी ने चतुर्थ श्रेणी संविदा सफाई कर्मियों की समस्या का उल्लेख किया। हमारी सरकार ने इस पर निर्णय ले लिया है। कॉरपोरेशन का गठन किया गया है और अगले एक–दो महीनों में यह सुनिश्चित कर दिया जाएगा कि हर चतुर्थ श्रेणी के कर्मी और संविदा कर्मी को न्यूनतम मानदेय की गारंटी सरकार की ओर से मिले। यह कदम भी सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। हम सबको यह समझना होगा कि जो भी सुविधाएं और सम्मान आज वंचित वर्गों को मिल रहा है, वह बाबा साहब की दी हुई प्रेरणा का ही परिणाम है। प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में देश 'नए भारत' की ओर बढ़ रहा है। पंचतीर्थ का निर्माण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्रों के लिए नई छात्रवृत्ति योजनाएं यह सब बाबा साहब के समानता और आत्मसम्मान के विचारों को आगे बढ़ाने का कार्य है। डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर शनिवार को मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ श्रद्धांजलि अर्पित किया। हजरतगंज स्थित आंबेडकर महासभा कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में वह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ बौद्ध भिक्षुओं द्वारा बुद्ध वंदना एवं त्रिशरण पंचशील के पाठ से हुआ। डॉ. आंबेडकर महासभा ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं सदस्य विधान परिषद डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने शुक्रवार को सीएम योगी से मिलकर संविधान की प्रति भेंट की थी। उन्होंने सीएम से आग्रह किया था कि सरकारी पाठ्यक्रमों में संविधान की उद्देशिका, मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्य, नीति निर्देशक तत्व, संघीय ढांचा और न्यायपालिका की स्वतंत्रता आदि महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया जाए। वहीं दूसरी ओर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर पलटवार करते हुए कहा कि सपा और उसके मुखिया शुरू से ही आरक्षण और दलितों के मसीहा डॉ. भीमराव आंबेडकर के विरोधी हैं।

भाजपा ने ममता पर साधा निशाना

निलंबित विधायक के जरिए मुस्लिम ध्रुवीकरण की कोशिश

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक तापमान एक बार फिर चढ़ गया है। भारतीय जनता पार्टी ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वह अपने हाथ गंदे किए बिना मुस्लिम ध्रुवीकरण करवाने की रणनीति पर काम कर रही हैं और इसके लिए उन्होंने टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर का इस्तेमाल किया। यह विवाद तब बढ़ा जब टीएमसी ने गुरुवार को विधायक कबीर को उस बयान के बाद निलंबित किया, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि वे मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद का उद्घाटन करेंगे। भाजपा नेताओं का कहना है कि कबीर पहले भी बयान दे चुके थे कि मुर्शिदाबाद में 70प्रतिशत मुस्लिम और सिर्फ 30प्रतिशत हिंदू हैं, लेकिन तब पार्टी ने कोई कार्रवाई नहीं की। भाजपा का आरोप है कि यह पूरा मामला धार्मिक नहीं, बल्कि राजनीतिक ध्रुवीकरण का हिस्सा है। बीजेपी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए बंगाली कहावत का हवाला देते हुए कहा श्धोरी माछ ना छुई पानी यानी काम करवाओ पर हाथ न गंदे करो। भाजपा ने दावा किया कि कबीर के समर्थक बेलडांगा में ईंटें लेकर बाबरी मस्जिद निर्माण की तैयारी कर रहे हैं और कथित रूप से पुलिस उन्हें सुरक्षा दे रही है। पार्टी ने चेतावनी दी कि यह गतिविधि क्षेत्र में सांप्रदायिक तनाव भड़का सकती है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा कि यह क्षेत्र पहले से संवेदनशील है और किसी भी प्रकार की उकसाहट से हालात बिगड़ सकते हैं। उन्होंने कहा बेलडांगा में पकड़ी गई गतिविधियां बेहद चिंताजनक हैं।

दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ हर मोर्चे पर सरकार की है सक्रियता

सीएम रेखा गुप्ता का आश्वासन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निवासियों को आश्वासन दिया कि सरकार राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण से निपटने के लिए हर मोर्चे पर कार्रवाई कर रही है। उन्होंने आगे दोहराया कि दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई लगातार मिशन मोड में जारी है। पत्रकारों से बात करते हुए, गुप्ता ने कहा कि प्रदूषण कम करने में मदद के लिए बिजली के खंभों पर मिस्ट लगाने का काम जारी है। मुख्यमंत्री गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा कि दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ हमारी लड़ाई मिशन मोड में बिना रुके जारी है। धुआँ, धूल, वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन, खुले में कचरा जलाना और लकड़ी जलाना – ये सभी मिलकर हवा में प्रदूषण की एक परत बनाते हैं। दिल्ली में बिजली के खंभों

पर मिस्ट लगाने का काम जारी है... इसे रोकने के लिए सरकार हर मोर्चे पर सक्रिय है। दिल्ली की मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि शहर के रिंग रोड की सफाई के लिए सैकड़ों स्प्रिंकलर का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह सड़क सफाई नियमित अंतराल पर हो रही है, जिससे धूल और प्रदूषण कम करने में अहम भूमिका निभा रही है। गुप्ता ने लिखा कि दिल्ली में पहली बार सैकड़ों स्प्रिंकलर वाहन राजधानी के रिंग रोड की सफाई कर रहे हैं। हमारा मिशन सबका है – प्रदूषण नियंत्रण। हमारी सरकार प्रदूषण के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने के लिए हर स्तर पर पूरी तरह सतर्क और प्रतिबद्ध है। रिंग रोड पर इन स्प्रिंकलर वाहनों के जरिए नियमित अंतराल पर सड़कों की सफाई की जा रही है, जिससे धूल और प्रदूषण कम करने में मदद मिल रही है। यह पहल वायु गुणवत्ता में सुधार की दिशा में एक प्रभावी कदम है और नागरिकों को स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के सरकार के दृढ़ संकल्प को भी दर्शाती है। इससे पहले आज, दिल्ली की मुख्यमंत्री ने सिविल लाइंस स्थित खैबर दर्रा चौक पर लोक निर्माण विभाग द्वारा आयोजित सड़क सफाई और धुलाई अभियान में भाग लिया। कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह और विधायक श्री सूर्य प्रकाश खत्री ने भी अभियान में भाग लिया। एक्स पर एक पोस्ट में, सीएम गुप्ता ने कहा, आज, मैंने सिविल लाइंस स्थित खैबर पास चौक पर लोक निर्माण विभाग द्वारा आयोजित व्यापक सड़क सफाई और धुलाई अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाने और धूल नियंत्रण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शहर में नियमित सड़क धुलाई, यांत्रिक सफाई और जमीनी निगरानी पूरी गति और गंभीरता के साथ की जा रही है। इस दौरान, माननीय कैबिनेट मंत्री श्री रविंद्र इंद्राज सिंह जी और विधायक श्री सूर्य प्रकाश खत्री जी ने भी इस अभियान में भाग लिया। प्रदूषण के विरुद्ध युद्ध – दिल्ली का युद्ध निरंतर जारी है।

कोई ताकत रोक नहीं सकती-हुमांयू कबीर

मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल),एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में शनिवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के निलंबित विधायक हुमांयू कबीर ने अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक नई मस्जिद की आधारशिला रखी। निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मुर्शिदाबाद जिले के रेजिनगर में इस मस्जिद की आधारशिला रखी। हुमांयू कबीर ने मस्जिद की आधारशिला कार्यक्रम के मंच पर मौलवियों के साथ समारोह का फीता काटा। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर श्नारा–ए–तकबीर, अल्लाहु अकबरश के नारे लगाए गए। कार्यक्रम स्थल पर सुबह से ही हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे। बाबरी मस्जिद की तर्ज पर नई मस्जिद के शिलान्यास समारोह को देखते हुए कड़ी सुरक्षा का इंतजाम किया गया था। कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए रेजिनगर और निकटवर्ती बेलडांगा क्षेत्र में पुलिस, आरएएफ और केंद्रीय बलों की बड़ी टुकड़ियां तैनात की गईं।

हुमांयू कबीर को इस हफ्ते की शुरुआत में ही टीएमसी से निलंबित कर दिया गया था, क्योंकि पार्टी ने इसे सांप्रदायिक राजनीति से जुड़ा मामला बताया था। कबीर ने इस महीने की शुरुआत में स्थापना समारोह का एलान किया था, जिससे राजनीतिक आलोचना शुरू हो गई थी और राज्य प्रशासन को सुरक्षा बढ़ानी पड़ी थी। हुमायूं कबीर ने शनिवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद शैली की मस्जिद के निर्माण के लिए शिलान्यास समारोह को बाधित करने की साजिश रची जा रही है। कबीर ने दावा किया कि 2026 के चुनावों में 90 विधानसभा क्षेत्रों से मुस्लिम उम्मीदवार विजयी होंगे। निलंबित टीएमसी विधायक ने कहा, श्कोई भी ताकत इसे रोक नहीं सकती। हम कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेशों का पालन करेंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया, हिंसा भड़काकर कार्यक्रम को बाधित करने की साजिशें की जा रही हैं।

प्रयागराज में 5 साल के बच्चे की मौत

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में 5 साल के मासूम की मौत पर परिजनों ने जमकर हंगामा किया। पिता बोले– डॉक्टरों ने मेरे बेटे को मार डाला। उन्होंने बच्चे की डेडबॉडी भी गायब कर दी है।

गुस्साए परिजनों ने शनिवार सुबह एमजी रोड पर जाम लगा दिया। सड़क पर ही लेट गए। बोले– जब तक इंसाफ नहीं मिलेगा तब तक नहीं हटेंगे। इस दौरान करीब 2000 से अधिक गाड़ियां जाम में फंस गईं। सूचना मिलते ही पुलिस और अस्पताल प्रशासन मौके पर पहुंचा और लोगों को समझाने का प्रयास किया। परिजनों की मांग है कि उन्हें तुरंत बच्चे का शव दिया जाए और अस्पताल स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई हो। अमिलिया गांव के रहने वाले गुड्घ्डू ने बताया– 30 नवंबर को मेरा 5 साल का बेटा वंश खेल रहा था। तार पर लकड़ी मारने के दौरान उसकी चपेट में आ गया। हम लोगों ने बेटे को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया। शनिवार सुबह 6 बजे जब डॉक्टरों को बुलाने गए तो उन्होंने कहा– चलो आते हैं। जब आए तो उसके सीने पर जोर–जोर से मारने लगे। बोले–आपका बेटा मर गया है। तुरंत पुलिस वालों को बुलाकर हमे बाहर निकाल दिया। मेरे बच्चे की मौत डॉक्टरों की लापरवाही के चलते हुई है।

दुल्हन को हेलिकॉप्टर से ले गया दूल्हा

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में हेलिकॉप्टर से दुल्हन की विदाई चर्चा में है। यहां एक किसान के बेटे ने अपनी दुल्हन को हेलिकॉप्टर से विदा करा कर सबको चौंका दिया। जैसे ही हेलिकॉप्टर गांव में उतरा, भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शुरू में लोगों को लगा कि कोई नेता या VIP आया है,

लेकिन आगे जो नजारा दिखा, उसे देखकर सब हैरान रह गए। दूल्हे ने दुल्हन को हेलिकॉप्टर में बैठाया और मात्र 8 मिनट में 8 झड दूर अपने घर पहुंच गया। करछना इलाके के कौवा गांव निवासी अमन यादव स्स्ठ कर रहे हैं। उनकी शादी 4 दिसंबर को सडवां कला गांव की ड। पास आरती यादव से संपन्न हुई थी।

प्रयागराज एयरपोर्ट पर इंडिगो की 2 उड़ानें रद्द

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज एयरपोर्ट पर इंडिगो की दो उड़ानों के रद्द होने से यात्रियों में तनाव बना रहा। शुक्रवार को दिल्ली और मुंबई के लिए इंडिगो की उड़ानें अचानक रद्द कर दी गईं। जिससे डिस्प्ले बोर्ड के सामने यात्रियों की लंबी कतारें लग गईं और वे अपनी उड़ानों की स्थिति जानने के लिए बेचौन हो गए। कई यात्रियों ने एयरलाइन की लापरवाही पर नाराजगी जताई और कुछ ने तो विमानन कंपनी से

गंतव्य तक पहुंचाने का इंतजाम करने की मांग भी की। यात्रियों ने कहा– मुंबई के लिए जाना था लेकिन एयरपोर्ट पहुंचने पर उड़ान की देरी की सूचना मिली और बाद में उसे रद्द कर दिया गया। एयरपोर्ट पर इंडिगो ऑफिशियल सही से जवाब नहीं दे रहे। इस बीच इंडिगो की बेंगलुरु उड़ान लगभग छह घंटे की देरी से पहुंची और इसी कारण उस उड़ान का प्रस्थान भी दोपहर 3रू35 बजे हुआ, जबकि इसका असली समय सुबह 9रू35 था। बेंगलुरु फ्लाइट शाम 5रू35 बजे प्रयागराज पहुंची। इसके अलावा अकासा एयर की मुंबई उड़ान भी करीब 30 मिनट देरी से पहुंची। शुक्रवार को इन दोनों विमानों से कुल 358 यात्रियों का आगमन और 415 यात्री रवाना हुए। सूत्रों से यह जानकारी मिली है कि शनिवार से विमान सेवाओं में सुधार की संभावना है। हालांकि शनिवार को प्रयागराज एयरपोर्ट पर केवल अकासा एयर की मुंबई उड़ान ही संचालित होगी।

असम के राज्यपाल बोले– कल्पवास आत्मिक यात्रा की शुरुआत, प्रयागराज में 'कल्पवास महात्म्य' संगोष्ठी को संबोधित किया

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में चंद्रशेखर आजाद सर्किट हाउस मैदान में महापौर गणेश केसरवानी के नेतृत्व में श्कल्पवास महात्म्य संगोष्ठीश का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में असम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और उन्होंने कल्पवास को आत्मिक यात्रा की शुरुआत बताया। राज्यपाल आचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि कल्पवास केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह साधना, संयम और आत्मिक शुद्धि का मार्ग है। उन्होंने जोर दिया कि यह मन को शुद्ध करता है, जीवन में अनुशासन लाता है, और मनुष्य को असत्य से सत्य, अंधकार से प्रकाश तथा मृत्यु से अमरत्व की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर सूचना संख्या-वि0/गशमध्यू0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2025/55 दिनांक 03.12.2025

ई निविदा सूचना

उप मुख्य बिजली इंजीनियर /गति शक्ति यूनिट/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं0: वि0-गशम0यू0-कार्य ठेका-67-2025	अनुमानित लागत: ₹ 20941772.21
कार्य का विवरण: प्रयागराज मण्डल के फफूंद और इकदिल स्टेशन पर गुड्स शेड के निर्माण के कारण 25 केवी0 ओएचई0 में संशोधन कार्य।	
बिड सुरक्षा राशि: ₹ 254700.00	कार्य अवधि: 09 महीना
बोली प्रणाली: एक पैकेट	निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय: 26.12.2025, 14:00 बजे
निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 26.12.2025, 15:00 बजे	
यूडब्लूआईडी नं0 : 060216231007, 060216231006	

नोट :-1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई.बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 2345/25(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

प्रयागराज में पूर्व ब्लॉक प्रमुख की बहू की मौत

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में फंदे से लटककर जान देने बताया गया, परिजनों बोले– हत्या की गई

प्रयागराज (संवाददाता)। फतेहपुर जिले के पूर्व ब्लॉक प्रमुख महेंद्र प्रताप सिंह की बहू कोमल उर्फ रश्मि (23) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रयागराज में तीन डॉक्टरों के पैनल ने वीडियोग्राफी के बीच उनका पोस्टमॉर्टम किया, जिसमें शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं मिले और मौत का कारण फंदे से लटकना बताया गया है। इस मामले में मायके वालों ने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है।

पोस्टमॉर्टम पैनल में एक महिला डॉक्टर भी शामिल थीं। सूत्रों के अनुसार, जांच में कोमल के शरीर पर किसी प्रकार की चोट के निशान नहीं मिले। देर शाम मायके वालों ने दारागंज घाट पर कोमल का अंतिम संस्कार किया। इस दौरान ससुराल पक्ष का कोई भी सदस्य मौजूद नहीं था।

कोमल कौशांबी जिले के सड़वापर गांव की रहने वाली थीं। उनके पिता धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि उनकी बेटी की शादी 2 नवंबर को फतेहपुर के खागा निवासी आदित्य प्रताप सिंह से हुई थी। गुरुवार सुबह परिवार को फोन पर सूचना दी गई कि कोमल ने फांसी लगा ली है। जब मायके वाले खागा पहुंचे, तो वहां कोई नहीं मिला।

धर्मेंद्र सिंह के अनुसार, वे चार घंटे तक जानकारी के लिए भटकते रहे। बाद में उन्हें बताया गया कि कोमल का शव प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल परिसर में पुलिस चौकी के सामने खड़ी एंबुलेंस में है। वहां भी ससुराल पक्ष का कोई सदस्य मौजूद नहीं था।

पीड़ित पिता ने खागा थाने में पूर्व ब्लॉक प्रमुख महेंद्र प्रताप सिंह, उनकी पत्नी पुष्पा, बेटी अंजली और पति आदित्य प्रताप सिंह के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि शादी के बाद से ही कोमल को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। धर्मेंद्र सिंह ने यह भी बताया कि बेटी के शरीर पर कोई आभूषण नहीं था, यहां तक कि नाक की कील भी निकाल ली गई थी।

परिवार ने आरोप लगाया कि पोस्टमार्टम से लेकर अंतिम संस्कार तक ससुराल पक्ष पूरी तरह गायब रहा। धर्मेंद्र सिंह ने दावा किया कि महेंद्र प्रताप सिंह के एक दामाद ने बार–बार फोन कर एफआईआर से अपनी पत्नी का नाम हटवाने का दबाव बनाया। कोमल चार बहनों में दूसरे नंबर पर थीं और उनकी शादी में 23 लाख रुपए से अधिक खर्च किए गए थे। परिवार अब न्याय की मांग कर रहा है।

254 दागी स्कूल बोर्ड परीक्षा की सूची से बाहर

यूपी बोर्ड की परीक्षा में नकल कराने का है आरोप, इस परीक्षा में किए गए डिबार

प्रयागराज (संवाददाता)। यूपी बोर्ड की पिछली परीक्षाओं में जिन विद्यालयों में नकल कराने का मामला सामने आया था, उन्हें बोर्ड की ओर से डिबार करते हुए इस परीक्षा में शामिल नहीं किया गया है। प्रदेश भर में ऐसे 254 केंद्रों की सूची तैयार की गई है।

बता दें कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह की ओर से बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षा को लेकर पूरी तरह से पारदर्शिता लाने का प्रयास किया जा रहा है। इस परीक्षा में किसी भी स्तर पर सेंधमारी या नकल न होने पाए इसके लिए सख्ती बरती जा रही है। यही कारण है जिन विद्यालयों को डिबार किया गया है उन्हें बोर्ड ने अपना परीक्षा केंद्र न बनाने का निर्णय

लिया है।

यूपी बोर्ड की वेबसाइट नचउेच.मकन.पद पर अपलोड की गई सूची के मुताबिक 2026 की बोर्ड परीक्षा के लिए पूरे प्रदेश में 7448 परीक्षा केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि परीक्षा केंद्रों में 910 राजकीय, 3484 एडेड और 3054 वित्त पोषित विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इन्हीं परीक्षा केंद्रों पर हाई स्कूल और इंटर मीडिएट की परीक्षा कराए जाने की तैयारी की गई है जबकि 2025 की परीक्षा में 7657 परीक्षा केंद्र प्रस्तावित किए गए थे। इसमें 940 राजकीय, 3512 एडेड और 3205 वित्त पोषित विद्यालय शामिल थे।

यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटर की परीक्षाएं 18 फरवरी से 12 मार्च के बीच आयोजित होगी। यूपी बोर्ड कीघ् 2026 की परीक्षा में 52,30,297 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। हाईस्कूल में 27 लाख 50 हजार 945 और इंटरमीडिएट में 24 लाख 79 हजार 352 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं।

जबकि यूपी बोर्ड की 2025 की परीक्षा में 5438597 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। हाईस्कूल में 2740151 और इंटरमीडिएट में 2698 446 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। 2025 में कुल 8140 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। इस लिहाज से परीक्षार्थियों की संख्या लगभग दो लाख घटी है जिससे प्रस्तावित परीक्षा केंद्रों की संख्या भी 209 तक कम हुई है।

माघ मेला स्वच्छता के लिए प्रयागराज को आधुनिक मशीनें मिलीं

नगर निगम में दो रोबोट, जेसीबी, पोकलेन का मेयर ने उद्घाटन किया

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में संगम की रेती पर आगामी 3 जनवरी से शुरू होने जा रहे माघ मेले की तैयारियों को लेकर नगर निगम ने कमर कस ली है। स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं आधुनिक बनाने के उद्देश्य से इस बार माघ मेले में तकनीक का विशेष इस्तेमाल किया जाएगा। नगर निगम द्वारा रोबोट से सफाई की व्यवस्था की जा रही है, जो मेला क्षेत्र के साथ–साथ शहर की सफाई में भी अहम भूमिका निभाएंगे।

नगर निगम ने इस उद्देश्य के लिए दो अत्याधुनिक सफाई रोबोट मंगाए हैं। इसके अलावा एक नई पोकलेन मशीन और दो नई जेसीबी मशीनें भी निगम के बेड़े में शामिल की गई हैं। इन संसाधनों के जुड़ने से न केवल माघ मेला क्षेत्र बल्कि पूरे प्रयागराज की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर नगर निगम कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मेयर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी और नगर आयुक्त सीलम साई तेजा ने पूजा–अर्चना के बाद हरी झंडी दिखाकर इन सभी मशीनों को नगर निगम को समर्पित किया। मेयर ने कहा कि इन आधुनिक मशीनों के आने से सफाई व्यवस्था पहले से कहीं ज्यादा सुदृढ़ होगी। उन्होंने बताया कि जहां बड़े स्तर के काम होंगे, वहां पोकलेन मशीन का इस्तेमाल किया जाएगा, जबकि कूड़ा घरों और भारी सफाई कार्यों के लिए जेसीबी मशीनों को लगाया जाएगा।

मेयर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने बताया कि माघ मेले के दौरान कई ऐसे क्षेत्र

होते हैं, जहां बड़ी गाड़ियां या मशीनें नहीं पहुंच पातीं। ऐसे स्थानों पर सफाई रोबोट के माध्यम से सफाई सुनिश्चित की जाएगी, जिससे सफाई में तेजी आएगी और श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण मिलेगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम का लक्ष्य प्रयागराज को स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक शहर के रूप में विकसित करना है और ये मशीनें उस दिशा में एक बड़ा कदम हैं। कार्यक्रम में नगर आयुक्त सीलम सांई तेजा, नगर निगम के पार्षदगण, अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे। सभी ने नगर निगम की इस पहल को माघ मेला 2026 के सफल आयोजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

सिद्धार्थ नाथ बोले– सपा ने घुसपैठियों के फर्जी दस्तावेज बनवाए, बीजेपी का कर्तव्य है रोहंगिया घुसपैठियों के फर्जी दस्तावेज ठीक करना

प्रयागराज (संवाददाता)। मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा बीजेपी नेताओं पर "घुसपैठिए ढूंढने" के आरोप लगाए जाने के बाद बीजेपी के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने तीखा पलटवार किया है।

सिद्धार्थ नाथ सिंह ने समाजवादी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सपा सरकार के कार्यकाल में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के फर्जी आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज बनवाए गए। उन्होंने सवाल उठाया कि उस समय अखिलेश यादव और उनके कार्यकर्ता कहां थे, जब अवैध तरीके से दस्तावेज तैयार किए जा रहे थे। उन्होंने इसे देश की सुरक्षा से जुड़ा विषय बताते हुए कहा कि घुसपैठियों को संरक्षण देना सीधे तौर पर राष्ट्र के साथ खिलवाड़ है। पूर्व मंत्री ने कहा कि जिन घुसपैठियों के दस्तावेज गलत तरीके से बनाए गए थे, उन्हें दुरुस्त करना बीजेपी के नेताओं और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने साफ कहा कि अखिलेश यादव को इस मुद्दे पर परेशान होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि जब बात राष्ट्र सुरक्षा, गरीब और कमजोर वर्गों के अधिकारों की आती है, तो बीजेपी का हर कार्यकर्ता मैदान में उतरता है। कार्यकर्ताओं द्वारा जुटाई गई सूचनाएं अधिकारियों तक पहुंचाई जा रही हैं, जिससे प्रशासन को कार्रवाई में मदद मिल रही है। दूसरी ओर, अखिलेश यादव ने बीजेपी पर प्रशासनिक अधिकारों में दखल देने का आरोप लगाया है। उन्होंने सवाल उठाया कि बीजेपी नेताओं को बांग्लादेशी घुसपैठियों की जांच करने का अधिकार किसने दिया।

प्रयागराज में 8वीं के छात्र की ट्रेन से कटकर मौत

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में शनिवार सुबह कक्षा 8 में पढ़ने वाले 15 वर्षीय छात्र की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के बाद सूचना जीआरपी और पुलिस को मिली तो मौके ओर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा किया और घरवालों की सूचना कर दी।

सूचना पर परिवार के लोग रोते बिलखाते घटनास्थल पर पहुंच गए। उधर गांव और प्रधान से बातचीत के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। यह घटना औद्योगिक क्षेत्र थाना अंतर्गत रामपुर पुलिस चौकी से मात्र 100 मीटर की दूरी पर हुई। मृतक की पहचान लवकुश यादव पुत्र होती लाल यादव निवासी मुंगारी रामपुर के रूप में हुई है। मुंगारी के रहने वाले होरीलाल यादव (झल्लर) के दो बेटे ये एक बेटी है। मृतक लवकुश अपने दो भाइयों में सबसे छोटा था। उसकी एक बहन भी है। लवकुश कक्षा 8 में पढ़ता था। वह रोज की तरह शनिवार की सुबह स्कूल जाने के लिए निकला था। वह फ्लाई ओवर से रोज स्कूल की ओर जाता था। शनिवार को वह क्रासिंग पार कर स्कूल जा रहा था ,तभी वह ट्रेन की चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद सूचना पुलिस और जीआरपी ने पहुंचकर शव की शिनाख्त की। इसके बाद परिजन मौके पर पहुंच गए। बेटे की मौत से परिवार में कोहराम मचा गया। पुलिस और स्थानीय लोगों ने आपस में बातचीत कर शव परिजनों को सौंप दिया। जिसके बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। बेटे की मौत से परिवार में मातम छाया हुआ है।

प्रयागराज में एसआईआर अभियान में पहुंचे मंत्री नंदी

प्रयागराज (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने शनिवार को अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत खत्री पाठशाला मतदान केंद्र पर निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान में सम्मिलित होते हुए मतदाताओं का फॉर्म भरवाया। इस दौरान मंत्री नंदी ने सभी मतदाताओं से

अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अपने परिवार के प्रत्येक योग्य सदस्य का नाम मतदाता सूची में अवश्य सत्यापित करें। लोकतंत्र को मजबूत बनाने की यह प्रक्रिया तभी सफल और पूर्ण होगी जब हम सभी जागरूक होकर अपना कर्तव्य निभाएं। अपने मताधिकार को सुरक्षित करते हुए SIR फॉर्म अवश्य भरें और दूसरों को भी प्रेरित करें। मंत्री नंदी ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि हर पात्र नागरिक का नाम सही रूप से मतदाता सूची में दर्ज हो। लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए हर योग्य नागरिक का मतदाता सूची में नाम दर्ज होना अत्यंत आवश्यक है। एसआईआर संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया है। भाजपा के सभी ऊर्जावान कार्यकर्ता मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में शत–प्रतिशत योगदान देने के लिए अटल संकल्पित हैं। मंत्री नन्दी ने कहा कि मतदाता गहन पुनरीक्षण के गणना प्रपत्र भरने और मतदाता बनने में कोई असुविधा हो रही है तो अपने मंडल अध्यक्ष,बूथ अध्यक्ष, प्रवासी तथा BLA से तुरंत संपर्क कर निराकरण करने सहित शक्ति केंद्र में लगे सभी बूथ अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष (चौक) सुमित वैश्य, ओम प्रकाश मिश्रा, मनमोहन मिश्रा, मनोज गुप्ता समेत अन्य मौजूद रहे।

प्रयागराज में बीडीओ बनी ड्रिंक एंड ड्राइविंग की शिकार

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के सिविल लाइंस इलाके में शनिवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां एक तेज रफ्तार और बेकाबू ऑटो ने एक बोलेरो गाड़ी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बोलेरो कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि ऑटो सड़क पर पलट गया और उसके शीशे टूट गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ऑटो चालक तेज गति से वाहन चला रहा था और अचानक नियंत्रण खो बैठा। उसी दौरान सड़क से गुजर रही बोलेरो उसकी चपेट में आ गई। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई और सड़क पर कुछ देर तक यातायात प्रभावित रहा।

हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक, हादसे में शामिल बोलेरो गाड़ी ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर धनूपुर, हंडिया, डॉ. कंचन यादव की थी। गनीमत रही कि वह इस हादसे में बाल–बाल बच गईं। हादसे के समय वह गाड़ी में मौजूद थीं, लेकिन उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई। वहीं, ऑटो चालक को कांच टूटने से मामूली चोटें आई हैं। पुलिस जांच में यह सामने आया है कि ऑटो चालक नशे की हालत में था। सूचना पर सिविल लाइंस थाना प्रभारी राम आश्रय यादव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त ऑटो को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारू कराया और ऑटो चालक को हिरासत में ले लिया। चालक का मेडिकल परीक्षण कराया गया, जिसमें नशे की पुष्टि होने की बात कही जा रही है। सिविल लाइंस थाना प्रभारी राम आश्रय यादव ने बताया कि मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। ऑटो चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और नशे में ड्राइविंग के तहत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है और आगे की जांच जारी है।

भयहरण नाथ धाम का वार्षिक अधिवेशन संपन्न

धाम को कब्जा मुक्त कर विकसित करने का हुआ सामूहिक संकल्प
समाज ने निभाई जिम्मेदारी अब सरकार की बारी - विधायक
भयहरण नाथ धाम का होगा समग्र विकास -जीत लाल पटेल
सरकार और समाज की भागीदारी से धाम का होगा समग्र विकास - समाज शेखर
धाम के पुनर्जागरण के 25 वर्ष पूर्ण होने पर श्री भयहरण नाथ महाग्रंथ का होगा प्रकाशन
पुस्तकालय व अभिलेखगार को किया जायेगा सुव्यवस्थित

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में गत वर्षो की भाँति विश्व स्वयं सेवक दिवस पर वार्षिक अधिवेशन का आयोजन प्रबन्ध संस्था भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान द्वारा हुआ। सर्वसम्मति से चर्चा के बाद ष सरकार व समाज के सहयोग से धाम की अनाधिकार कब्जा जमीन को कब्जा खाली कराके धाम के समग्र विकास का निर्णयष लिया गया। वहीं मुख्य अतिथि विधायक विश्वनाथ गंज जीत लाल पटेल ने कहा की धाम के विकास में बीते 25 वर्षो में स्थानीय समाज ने अपनी अद्वितीय भूमिका निभाई है, अब सरकार की बारी है, सरकारी योजनाओ से धाम के समग्र विकास हेतु सतत प्रयास किया जायेगा। वहीं तय हुआ की पंच पर्मेश्वर पुस्तकालय व अभिलेखागार का आधुनिकीकरण करके पुनरोद्धार किया जायेगा।

सर्व प्रथम भयहरण नाथ धाम की प्रबन्ध संस्था के संस्थापक महासचिव सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने सभी का स्वागत करते हुए धाम व बकुलाही नदी के पुनरोद्धार की प्रगति से अवगत कराया। अधिवेशन की अध्यक्षता वरिष्ठ संरक्षक शिक्षक नेता विनोद कुमार सिंह ने किया। संचालन अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध इतिहासकार डॉ बीरेंद्र सिंह व जन शिक्षण संस्थान के पूर्व निदेशक दिगंबर नाथ मिश्र ने सभी का मार्गदर्शन किया। कवि हरिबंश शुक्ल शौर्य, आलोक बैरागी व चंद्र शेखर शुक्ल विकास जी ने अपनी रचनाओ से सभी का उत्साह बढ़ाया।

काफी चर्चा व चिंतन के बाद सदस्यों ने सर्व सम्मति से तय किया कि धाम पर नियमित श्रद्धा व आस्था के साथ साथ समय समय पर भारी भीड़ मेला होता है धाम पर उपलब्ध भूमि कम पड़ती है ऐसे में धाम व धाम से जुड़ी प्राचीन भूमि को अनाधिकार कब्जा मुक्त करा के धाम का समग्र विकास किया जाए। सभी ने सरकार से एक स्वर में मांग व अपेक्षा किया की धाम के समग्र विकास में हेतु धाम व धाम से जुड़ी प्राचीन प्राकृतिक संपदा व भूमि, नदी, तालाब, बंजर आदि को विकसित कर धाम को वापस लौटना होगा। इसमें सरकार व समाज दोनों को निस्वार्थ भूमिका निभानी होगी। सभी ने एक स्वर में कहा की धाम में निजी हित के लिए कोई स्थान नही है।

सभी ने चर्चा करके क्षेत्र व समाज की सबसे बड़ी समस्या के रूप में स्वास्थ्य सुविधा व सेवाओ का आभाव पाया। प्राथमिक स्वास्थ्य उप केंद्र कटरा गुलाब सिंह में बुनियादी व्यवस्था व सुविधा का अभाव की चर्चा करके सभी ने शासन से मांग किया की जनपद की सीमा पर स्थित इस केंद्र को सी एच सी अथवा ट्रामा सेंटर के रूप में विकसित कर दोनों जनपद के समीपवर्ती लाखों लोगो को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जाए। वहीं धाम पर गत वर्षो में नदी के किनारे मनरेगा द्वारा विकसित

किये गए मार्ग को पक्की सड़क के रूप में बाई पास मार्ग निकाल कर प्रतापगढ़ व प्रयागराज बाया कटरा गुलाब सिंह मुख्य मार्ग से जोड़ा जाए। जिस पर महासचिव समाज शेखर ने अवगत कराया की शासन व जिलाधिकारी महोदय के निर्देश पर आर ई एस द्वारा धाम के समग्र विकास की योजना बनाई जा रही है। जिसमे बाई पास मार्ग का विकास योजना भी प्रस्तावित है। साथ ही मुख्य मंदिर व मेला परिसर को धार्मिक व पर्यटन विकास के रूप विकसित किया जाना प्रस्तावित है। सभी ने प्रसंनता व्यक्त करते हुए शासन व जिलाधिकारी महोदय से महाशिवरात्रि पर गत 25 वर्षो से आयोजित होने वाले चार दिवसीय महाकाल महोत्सव के आयोजन को और भव्य स्वरूप देने हेतु आयोजन व सांस्कृतिक दल के सहयोग की मांग की।

सर्व सम्मति से तय हुआ कि धाम के पुनर्जागरण के 25 वर्ष पूर्ण होने पर धाम के इतिहास, भूगोल, तथा अभी तक की गतिविधियों व प्रयासों तथा उपलब्धियों तथा सरकारी आदेश निर्देश आदि को भी समाहित किया जाने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम का समापन अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष व संरक्षक शिक्षक नेता विनोद सिंह को महान क्रांतिकारी राजा बाबू गुलाब सिंह समाज रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह, संरक्षक गण राज नारायण मिश्र, देवी प्रसाद मिश्र, गंगा पाल सिंह, जय सिंह उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह, उपाध्यक्ष संगठन डॉ अमर बहादुर सिंह, उपाध्यक्ष कार्यक्रम उमा कांत पांडेय, सचिव प्रशासन चिंता मणि त्रिपाठी, सचिव संगठन राज किशोर मिश्र, कोषाध्यक्ष कमलेश वैश्य, प्रबन्ध समिति सदस्य मनी राम वर्मा, ग्राम प्रधान महाराजपुर पिंटू मिश्र, पत्रकार अवधेश पांडेय जी, प्रशांत त्रिपाठी कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र, सचिव मन्दिर व्यवस्था सच्चिदानंद पांडेय मुरली, स्वच्छता नायक राज कुमार गौतम सहित सभी सदस्यों व पदाधिकारीयों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए सक्रिय सहभागिता की।

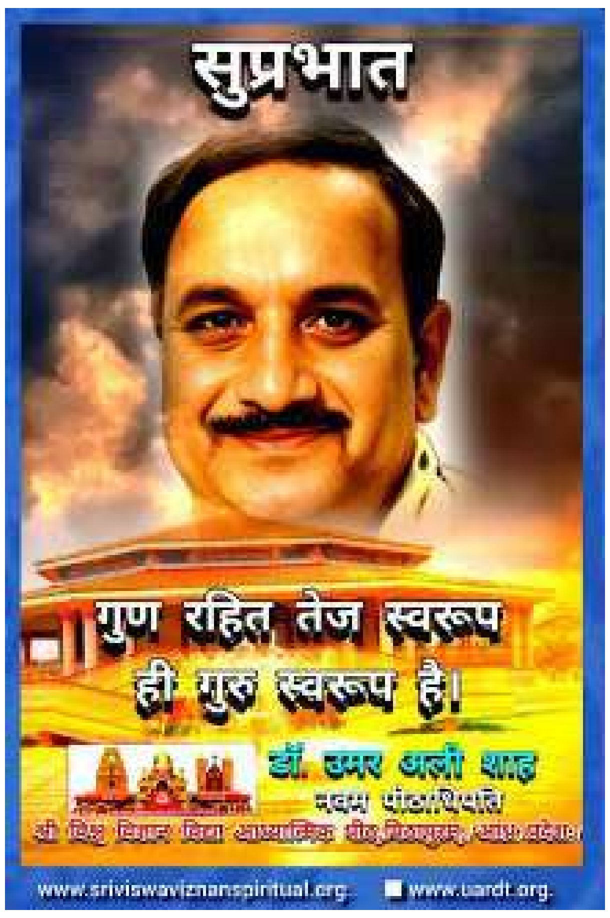

संजमल्लिमे फूल

खिलते हैं जो शाम को, चार बजे के बाद।
खुशबू की खघमोशियाँ, करती हैं अति नाद।
करती हैं अति नाद, नाम रख संध्यामाली।
मलयालम में जिसे, कहें है अन्तिमलारी।
कन्नड़ कहें प्रदीप,उसी को संजमल्लिमे।
अलग–अलग धर नाम, सभी मुल्को में खिलते।।

दुनिया कहती है जिसे,लगते बहुत ललाम।
शाहेल्ली, गुलअब्बास, कृष्णकली धर नाम।
कृष्णकली धर नाम,अबासी भी हैं कहते।
संध्या के ही समय, हमेशा हँसकर खिलते।
सुन लो कहें प्रदीप, हमेशा बनकर सुखिया।
बाँट रहे मुस्कान, कह रही सारी दुनिया।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की

प्रयागराज। डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के 70वें महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर, केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव ने

नई दिल्ली स्थित रेल भवन में पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। एक्स पर एक पोस्ट में, केंद्रीय मंत्री ने भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर को हार्दिक नमन करते हुए उन्हें समानता और न्याय का मार्गदर्शक बताया।

कार्यक्रम में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार, वरिष्ठ अधिकारी, रेलवे बोर्ड के सदस्य और अखिल भारतीय अनुसूचित जातिध्अनुसूचित जनजाति रेलवे कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम में बाबासाहेब के योगदान, संविधान निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका और समानता, न्याय एवं निष्पक्षता पर आधारित उनके विचारों को याद किया गया। महापरिनिर्वाण दिवस प्रतिवर्ष 6 दिसंबर को भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर, जिन्हें बाबासाहेब आंबेडकर के नाम से भी जाना जाता है, की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। वे भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पी थे। 14 अप्रैल, 1891 को मध्य प्रदेश के महू में जन्मे डॉ. बी.आर. आंबेडकर ने अपना जीवन हाशिए पर पड़े समुदायों, विशेषकर दलितों, महिलाओं और मजदूरों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया, जिन्हें व्यवस्थागत सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ा था। भारत भर में लाखों लोग इस पावन दिवस पर उनकी शिक्षाओं और एक न्यायपूर्ण एवं समावेशी समाज के निर्माण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर विचार करके उनकी विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

अखिल भारतीय समाचार पत्र एसोसिएशन के उत्तराखण्ड इकाई के राज्य अध्यक्ष श्री अमित कुमार शर्मा बने पत्रकार कल्याण कोष/मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजना के संचालन हेतु निर्धारित शासकीय समिति के सदस्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश चन्द्र शुक्ल ने संगठन की ओर से दी बधाई एवं हार्दिक शुभकामनायें

देहरादून। अखिल भारतीय समाचार पत्र एसोसिएशन के उत्तराखण्ड इकाई के राज्य अध्यक्ष श्री अमित कुमार शर्मा को षपत्रकार कल्याण कोषध्मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजनाष के संचालन हेतु निर्धारित शासकीय समिति का सदस्य बनाया गया है। महानिदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार इस समिति में अ.भा.स.प.ए.के नामित प्रतिनिधि के अलावा ४ अन्य गैर सरकारी सदस्य भी शामिल किये गये हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश चन्द्र शुक्ल ने श्री शर्मा को शुभ कामनायें देते हुए कहा है कि षपत्रकार कल्याण कोषध्मुख्यमंत्री पत्रकार सम्मान पेंशन योजनाष के संचालन हेतु निर्धारित इस शासकीय समिति में उनके सदस्य बनाये जाने से उत्तराखण्ड राज्य में संगठन के प्रतिनिधित्व को अत्यधिक संबल व शक्ति प्राप्त हुई है। इससे समाचार पत्रों के हित संवर्धन व एतदर्थ लम्बित प्रकरणों को बेहतर तरीके से सरकार के समक्ष रखे जा सकेंगे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष व नामित सदस्य श्री अमित कुमार शर्मा ने इस मनोनयन के लिए उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी एवं सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग के महानिदेशक श्री बंशीधर तिवारी का आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि इस अत्यन्त महत्वपूर्ण समिति में एसोसिएशन का प्रतिनिधित्व हमारे लिए प्रसन्नता व गर्व का विषय है। समाचार पत्रों व पत्रकारों के हितों के लिए महानिदेशक द्वारा किये जा रहे जनकल्याणकारी कार्य प्रशंसनीय एवं सराहनीय हैं। विनिर्दिष्ट समिति के गठित होने से निश्चित तौर पर सभी प्रभावित पत्रकारों को लाभ मिल सकेगा।

उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय समाचार पत्र एसोसिएशन बारहवें, चौदहवें और पन्द्रहवें त्रिवर्षीय सत्र में भारतीय प्रेस परिषद द्वारा विधिवत अधिसूचित राष्ट्रीय संगठन है जो देश स्तर पर सम्पादकोंध पत्रकारों के हित संरक्षण एवं खुशहाली के लिए पूरे मनोयोग से विगत तीस वर्षों से कार्यरत है।

इस उपलब्धि पर संगठन की ओर से सर्वश्री पवन सहयोगी, दीनदयाल मित्तल, आशीष शर्मा, श्रीमती अनीता चतुर्वेदी, रमेश चन्द्र जैन, महेश कुमार शर्मा, आरिफ जमाल, संजय चतुर्वेदी, संजय कुमार मिश्र, विनोद बाजपेयी, रामशरण दीक्षित, अरविन्द शर्मा, दिनेश शक्ति त्रिखा, वीरेन्द्र दत्त शर्मा, देवेन्द्र त्रिपाठी, कुश कुमार ने विभिन्न माध्यमों से बधाई एवं शुभकामनायें दी।

औपचारिक मिलन समारोह का आयोजन

प्रयागराज। सिकंदरा फूलपुर रोड ढोकरी तिराहा स्थित स्वर्गीय यज्ञ नारायण स्मारक सेवा समिति के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत संचालित नर्सिंग डिप्लोमा कोर्स के प्रशिक्षुओं प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों का औपचारिक मिलन

समारोह का आयोजन करके सक्रिय बैच को प्रोत्साहित किया गया। उक्त स्वास्थ्य जनित कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक श्री अमित कुमार चौधरी एवं प्रशिक्षक कवि डॉ०इन्दु प्रकाश मिश्र जी ने उपस्थित जनों को सम्बोधित एवं प्रेरित करते हुये दैनिक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के सन्दर्भ में प्राचीन तथा अधुनातन पद्धतियों का परिचय देकर आचार्य सुश्रुत एवं चरक जैसे वैद्यों एवं उपचारों का उल्लेख किया।

आर पी डिग्री कालेज की प्राचार्य डॉ वैशाली सक्सेना ने स्वास्थ्य के प्रति सभी को सचेत रहने के लिये प्रेरित किया।

इस चिकित्सकीय ज्ञान चर्चा के सुअवसर पर डॉ ऋषि मिश्र डॉ अरुण कुमार तिवारी श्री केशरी कुमार मिश्र विद्याशंकर पांडेय धीरज कुमार शुक्ल एवं अख्तरी बानो उपस्थित रहे।

मुजफ्फरनगर : एसआईआर फॉर्म को लेकर सिटी मजिस्ट्रेट का क्षेत्र में निरीक्षण, लोगों को किया जागरूक वार्ड 54 और किदवई नगर में चलाया विशेष अभियान

मुजफ्फरनगर। जिले में चल रहे एसआईआर फॉर्म अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से सिटी मजिस्ट्रेट पंकज राठौर ने

वार्डों का निरीक्षण किया। उनके साथ वार्ड सभासद मोहम्मद शहजाद, सभासद प्रतिनिधि, राहुल शर्मा, शहर पटवारी ध्यानचंद अरोरा, नितिन कुमार सुपरवाइजर, सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने किदवई नगर क्षेत्र एवं वार्ड नंबर 54 में घर–घर जाकर अभियान की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट पंकज राठौर ने जैनबिया स्कूल में रहकर स्थानीय नागरिकों को एसआईआर फॉर्म की अनिवार्यता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सिटी मजिस्ट्रेट ने कहा कि – "कोई भी मतदाता" फॉर्म भरे बिना न रहे। यह हर नागरिक के लिए जरूरी है, इसलिए सभी लोग फॉर्म भरकर समय से जमा करें।

एमएलसी शिक्षक और स्नातक की अगर प्रथम वोटर लिस्ट में नाम नहीं तो तुरंत करें ऑनलाइन अप्लाई : डॉ0 कुलदीप मलिक

मेरठ सहारनपुर मंडल के सभी शिक्षकों से शिक्षक नेता डॉक्टर कुलदीप मलिक ने अपील की है कि अगर डस्ब् शिक्षक और स्नातक चुनाव के लिए जारी की गई प्रथम वोटर लिस्ट में किसी शिक्षक का नाम नहीं है तो वह तुरंत ऑनलाइन माध्यम से वोट बनवाने के लिए अप्लाई करें।

डॉक्टर कुलदीप मलिक ने बताया कि जिन शिक्षकों मैं पूर्व में ऑनलाइन वोट के लिए अप्लाई किया था उनमें से अधिकांश शिक्षकों का नाम प्रथम वोटिंग लिस्ट में आ चुका है। जिला बुलंदशहर के राष्ट्र निर्माण इंटर कॉलेज, लाडपुर का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि उनके पूर्व के निवेदन पर इस विद्यालय के शिक्षक नवीन जी ने संस्थान के सात शिक्षकों का ऑनलाइन माध्यम से वोट बनाने के लिए अप्लाई किया था जिनमें से प्रथम लिस्ट में 6 लोगों की वोट बन चुकी है जबकि एक की वोट जिस कारण से नहीं बन पाई उसका विवरण साइट पर दिया गया है और उसे अब दोबारा से अप्लाई किया गया है। उनके अनुसार यह केवल एक शैक्षणिक संस्थान का उदाहरण नहीं बल्कि मेरठ सहारनपुर मंडल के बहुत सारे शैक्षणिक संस्थान इस तरह से ऑनलाइन माध्यम से अपनी वोट बनवा चुके हैं।

डॉक्टर मलिक ने उन सभी शिक्षक साथियों से खास निवेदन किया है जिन्होंने किसी भी प्रत्याशी के माध्यम से ऑफलाइन फॉर्म तो भरे लेकिन उनका नाम लिस्ट में नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिलाया कि ऐसे साथियों को घबराने की बिल्कुल भी आवश्यकता नहीं है बस उन्हें तुरंत चुनाव आयोग की साइट पर जाकर अपना वोट अप्लाई करने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन वोट बनाने का तरीका बहुत ही सरल है जिसके तहत आपको चुनाव आयोग की साइट के लिंक पर जाकर अपनी डिटेल डालनी है और साथ में एक फोटो और संस्थान के प्रधानाचार्य जी द्वारा टेस्ट किया गया प्रमाण पत्र अटैच करना है। उनके अनुसार इस प्रक्रिया में कोई भी शिक्षक मात्र 5 मिनट में अपनी वोट को अप्लाई करके लोकतंत्र के सबसे मजबूत हथियार यानी वोट को बनवाकर उसका प्रयोग आगामी एमएलसी शिक्षक एवं स्नातक के चुनाव में करके एक योग्य प्रतिनिधि को विधान परिषद में भेजने का कार्य कर सकता है।

अखण्ड आर्यावर्त आर्य महासभा ने पूजन कर शौर्य दिवस मनाया

लखनऊ, (संवाददाता)। अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा ने आज संगठन मुख्यालय में भगवान श्रीकृष्ण का पूजन कर शौर्य दिवस मनाया। मालूम हो कि संगठन द्वारा आयोजित आज मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि में देहरी पूजन के साथ शौर्य दिवस कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी को पुलिस प्रशासन ने नजरबंद कर जाने से रोक दिया। जिसके उपरांत तत्काल निर्णय लेते हुए संगठन मुख्यालय में ही भगवान श्रीकृष्ण के लड्डू गोपाल स्वरूप के रूप में उनकी प्रतिमा का जलाभिषेक कर पूजन किया गया तत्पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी के नेतृत्व में श्री कृष्ण की प्रतिमा के साथ मथुरा श्री कृष्ण जन्मभूमि पर देहरी पूजन के लिए निकले। जिसमें संजय श्रीवास्तव राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, बाबा महादेव राष्ट्रीय प्रवक्ता, अनीता तिवारी महिला मंडल अध्यक्ष लखनऊ सुनील कुमार शुक्ला कार्यालय मंत्री, सुनील कुमार सिंह प्रचार मंत्री, राम तिवारी, प्रकाश श्रीवास्तव प्रदेश उपाध्यक्ष आचार्य राम जी अवस्थी प्रदेश प्रवक्ता कानपुर मंडल अध्यक्ष अभिषेक सिंह, शिवम वर्मा, बाराबंकी जिला अध्यक्ष, घनश्याम रस्तोगी, लखनऊ मंडल अध्यक्ष, आचार्य राम जी अवस्थी, सुनील सिंह, चंद्र मौली शुक्ल, प्रदेश अध्यक्ष सहित काफी संख्या में संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल थे। इससे पहले श्री त्रिवेदी ने कहा कि अयोध्या में भगवान राम जन्मभूमि की तरह श्रीकृष्ण जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ मंदिर भी जल्द ही आततायियों की निशानियों से मुक्त होगी, और इसके लिए संगठन निरन्तर काशी और मथुरा के लिए अन्तिम लड़ाई तक सड़कों पर उतरती रहेगी। इसके अलावा इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों को तत्परता और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान के साथ संगठन के मूल उद्देश्यों – वैदिक संस्कृति, धर्म जागरण और राष्ट्रीय गौरव के प्रसार हेतु सभी ने एकजुट होकर सतत प्रयास करने का संकल्प लिया।

सम्पादकीय........

पंजाब का जल संकट

निस्संदेह, पंजाब इन दिनों दोहरे जल संकट से जूझ रहा है। एक ओर जहां अंधाधुंध भू–गर्भीय जल के दोहन से उसका जलस्तर गिर रहा है, वहीं कीटनाशकों व रासायनिक खादों के बेतहाशा इस्तेमाल से पानी जहरीला होता जा रहा है। हाल ही में केंद्रीय भूजल बोर्ड यानी सीजीडब्ल्यूबी के नवीनतम आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। संस्था के नवीनतम निष्कर्ष बताते हैं कि पंजाब 156.36 फीसदी भूजल दोहन के साथ इसके अत्यधिक इस्तेमाल में देशभर में अग्रणी है। जो इस बात को रेखांकित करता है कि पंजाब में इसके जलस्रोतों का कितने खतरनाक ढंग से अत्यधिक दोहन किया जा चुका है। लेकिन यह संकट यही समाप्त नहीं हो जाता। इस संकट से जुड़ी त्रासदी यह भी है कि सीजीडब्ल्यूबी की नवीनतम वार्षिक भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट–2025 बताती है कि पंजाब में परीक्षण किए गए भूजल के 62.5 फीसदी नमूनों में यूरेनियम सुरक्षित सीमा से कहीं अधिक मात्रा में पाया गया है। निश्चित रूप से भू–गर्भीय जल के अत्यधिक दोहन और पानी की गुणवत्ता में गिरावट में गहरा संबंध है। दरअसल, अत्यधिक भूजल दोहन से पानी का स्तर नीचे चला जाता है, जिसके चलते गहरे बोरवेल लगाने पड़ते हैं। जो भूगर्भीय रूप से अस्थिर, खनिज–समृद्ध परतों से पानी खींचते हैं। जो अक्सर यूरेनियम, आर्सेनिक, नाइट्रेट या लवणता से भरी होती हैं। इसके साथ ही, दशकों से चली आ रही सघन कृषि, अधिक सिंचाई वाली फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिये भारी मात्रा में सिंचाई और रासायनिक उर्वरकों की जरूरत होती है। जिसके चलते भूजल व मिट्टी दोनों ही में प्रदूषकों का रिसाव तेज हो जाता है। इस भयावह संकट को पिछले दिनों राज्यसभा में राजनीतिक आवाज तब मिली, जब सांसद राघव चड्ढा ने पंजाब में विषाक्त जल संकट पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने चेताया था कि भारी धातुओं और रेडियोधर्मी प्रदूषकों वाला पानी आम लोगों के स्वास्थ्य पर घातक असर डाल रहा है। ऐसा करके उन्होंने देश के नीति नियंताओं को आईना दिखाने का प्रयास ही किया है। दरअसल, आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने राज्यसभा में इस चिंता को अभिव्यक्त करके, पर्यावरणीय आंकड़ों के जरिये लंबे समय से दिए जा रहे संकेतों को स्पष्ट रूप से उजागर ही किया है। हमें इस बात का अहसास होना चाहिए कि यह अब कोई दूरगामी पर्यावरणीय चिंता नहीं बल्कि हमारे सामने एक उभरती हुई जन–स्वास्थ्य की आपात स्थिति ही है। देश में अकसर उस ट्रेन का जिक्र किया जाता रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में पंजाब के लोग कैंसर के उपचार के लिये राजस्थान के विभिन्न अस्पतालों में जाया करते हैं। जिसे अकसर कैंसर ट्रेन के नाम से पुकारा भी जाता रहा है। निस्संदेह, राज्य के कुओं, बोरवेल या हैंडपंप पर निर्भर लाखों पंजाबियों के लिये, इसका मतलब है कि उनके लिये रोजाना पीने का पानी ही स्वास्थ्य खतरा बन सकता है। जिसके उपयोग से उनके गुर्दे की क्षति, कैंसरकारी घातक प्रभाव और प्रजनन व शारीरिक विकास संबंधी नुकसान हो सकता है। निस्संदेह, इस दिशा में तत्काल निर्णायक कार्रवाई करने की सख्त आवश्यकता है। समय की मांग है कि तत्काल प्रभाव से भूजल के अंधाधुंध दोहन पर सख्त अंकुश लगाया जाए। इसके लिये बेहद जरूरी है कि कृषि क्षेत्र पर ध्यान देकर, कम पानी का उपयोग करने वाली फसलों को प्राथमिकता के आधार पर प्रोत्साहित किया जाए। राज्य के हर शहर व गांव में भूजल गुणवत्ता परीक्षण की सुविधा सहज रूप से उपलब्ध करायी जाए। प्रदूषित पेयजल के प्रभावी उपचार के साथ ही सुरक्षित जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही औद्योगिक व कृषि प्रदूषकों पर नियंत्रण के लिये पारदर्शी व सख्त कानून व्यवस्था का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि स्वच्छ पेयजल अनंत मात्रा में उपलब्ध नहीं है। हम इसे असीमित संसाधन के बजाय एक नाजुक जीवन रेखा के रूप में देखें। यदि आज हमने समय रहते हुए पेयजल को सुरक्षित व संरक्षित नहीं किया तो आने वाली पीढ़ियां पेयजल संकट से जूझने को अभिशप्त होंगी। इतना ही नहीं, उन्हें सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट भी विरासत के रूप में मिलेगा। जिसके लिये वे हमें कभी माफ नहीं करेंगी।

अर्थव्यवस्था की हालत ठीक नहीं है

मोहम्मद रिफाकत

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 25 पैसे टूटकर 90.21 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो इसका अब तक का सबसे निचला स्तर था, लेकिन यह गिरावट यहीं नहीं थमी, बल्कि गुरुवार को एक डॉलर की कीमत 90 रुपए 42 पैसे हो गई।

विदेशी पूंजी की लगातार निकासी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच रुपया बुधवार को पहली बार 90 प्रति डॉलर के नीचे चला गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 25 पैसे टूटकर 90.21 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो इसका अब तक का सबसे निचला स्तर था, लेकिन यह गिरावट यहीं नहीं थमी, बल्कि गुरुवार को एक डॉलर की कीमत 90 रुपए 42 पैसे हो गई। 2025 में रुपया 4 से 5 प्रतिशत की गिरावट के साथ एशिया में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली एशियाई मुद्राओं में शामिल हो गया है। हालांकि यह दुख की बात है कि मोदी सरकार अपनी इस नाकामी को न मान रही है, न उसमें सुधार के लिए कोई काम करती दिख रही है। 11 सालों में एक बार भी ऐसा नहीं हुआ कि मोदी सरकार की नीतियों के कारण रुपये की कीमत में सुधार आया हो। बल्कि लगातार गिरावट ही दर्ज होती रही। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक बार कहा था कि रुपया कमजोर नहीं हो रहा, डॉलर मजबूत हो रहा है, लेकिन इस बार उनका ऐसा बेतुका तर्क भी सरकार का बचाव नहीं कर पाएगा, क्योंकि अमेरिकी डॉलर इंडेक्स तो स्थिर ही है। दरअसल भारतीय बाजार पर विदेशी निवेशकों का घटता भरोसा रुपए की गिरावट का अहम कारण बन रहा है।बताया

जा रहा है कि भारत और अमेरिका में व्यापार समझौते पर अनिश्चितता कायम रहने और रुपये की गिरावट थामने के लिए रिजर्व बैंक के आगे न आने से स्थानीय मुद्रा रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई।वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 3,642 करोड़ रुपये की बिकवाली की। इस वर्ष भारत ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेश में 16 से 18 अरब डॉलर की निकासी देखी, जबकि शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश लगभग 30 अरब डॉलर के आसपास स्थिर रहा। यानी भारतीय बाजार से डॉलर अधिक निकले और निवेश कम हुए। इसके साथ ही, हर महीने वस्तु व्यापार घाटा 25–30 अरब डॉलर के बीच रहा। देश से पूंजी का बाहर जाना और आयात की मांग बढ़ना इन वजहों से रुपया कमजोर होता गया।रुपए में यकायक कोई बड़ी गिरावट नहीं आई, यह सिलसिला कई महीनों से चल रहा है। लेकिन मोदी सरकार देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बताती रही। अभी सितंबर तिमाही 2025 में, भारत की जीडीपी वृद्धि दर 8.2प्रतिशत रही है, ऐसा दावा सरकार ने किया और उस पर अपनी पीठ भी थपथपाई। लेकिन इसी दौरान रुपये का मूल्य लगभग 5 प्रतिशत गिर गया, उस पर सरकार ने कुछ नहीं कहा। गौरतलब है कि भारत तेल, कच्चा माल, इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी का आयात करता है, जिसका भुगतान डॉलर में होता है, वहीं, उच्च अमेरिकी ब्याज दरों से आकर्षित होकर वैश्विक निवेशक भारत जैसे उभरते बाजारों से पैसा बाहर निकाल रहे हैं इससे भी डॉलर की आवश्यकता बढ़ रही है जबकि आने वाले डॉलर की आपूर्ति घट रही है। जब डॉलर की मांग रुपये की मांग से अधिक हो जाती है, तो रुपये का मूल्य गिरना तय है। ज्यादा आयात, धीमे निर्यात और अस्थिर पूंजी प्रवाह रुपये की गिरावट का मुख्य कारण हैं।और यह गिरावट अब महंगाई को बढ़ाएगी यह तय है।

नफासत की साड़ियां और गौरवशाली इतिहास

शकील अख्तर

चंदेरी मध्यप्रदेश का वह ऐतिहासिक नगर है, जहां नफासत भरी विश्वप्रसिद्ध चंदेरी साड़ियां, प्राचीन किले, महल, मस्जिदें और किंवदंतियां मिलकर इसकी अनोखी पहचान बनाते हैं। विंध्य पर्वतों के बीच बसा यह नगर अपनी सांस्कृतिक परतों, स्थापत्य सौंदर्य और शांत वातावरण से हर आगंतुक को मोहित करता है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर से लगभग 230 कि.मी. दूरी पर अशोक नगर जिले में स्थित चंदेरी का नाम लेते ही सबसे पहले नाम विश्व प्रसिद्ध चंदेरी साड़ियों का ही आता है। राजा–महाराजाओं की पसंद रहा चंदेरी वस्त्र और राजघराने की महिलाओं द्वारा पहनी जाने वाली चंदेरी साड़ियों की नफासत, सोने के तारों से किया जाने वाला ताना–बाना, वर्षों से धरोहर रहा है। पौराणिक काल में चेदिराज के रूप में विख्यात चंदेरी, बेत्रवती और उर्वशी नदियों नदियों के मध्य में, विंध्याचल के पर्वतों के बीच में बसा हुआ है। बुंदेलखंड क्षेत्र का है तो यह एक छोटा–सा जिला, लेकिन यहां फैला सुकून, चारों ओर मोहित करने वाली हरियाली और वे संरचनाएं जो हमारे गौरवशाली इतिहास का प्रतीक हैं, आज बेशक अपने वास्तविक स्वरूप में नहीं हैं, फिर भी वे पर्यटकों को अपने वैभव और वास्तुशिल्प के कारण आकर्षित करती हैं। अपने भीतर सांस्कृतिक उत्कर्ष की अनेक परतें समेटे, बाहरी और भीतरी खंडों में विभाजित यह शहर अपने पुरातात्विक अवशेषों की वजह से इसके ऐतिहासिक ताने–बाने के दायरे को जानने के लिए आमंत्रित करता है। एक किंवदंती के अनुसार चंदेरी शहर की स्थापना भगवान कृष्ण के चचेरे भाई, राजा शिशुपाल ने प्रारंभिक वैदिक काल में की थी। एक अन्य किंवदंती के अनुसार इसकी स्थापना राजा चेद ने की थी, जिनके बारे में कहा जाता है कि उन्होंने लगभग 600 ईसा पूर्व इस क्षेत्र पर शासन किया था। हालांकि, गुर्जर–प्रतिहार वंश के राजा कीर्तिपाल ने लगभग 11वीं शताब्दी ईस्वी में अपनी राजधानी पुराने चंदेरी (बूढ़ी चंदेरी) से वर्तमान चंदेरी शहर में स्थानांतरित किया था। यहां 150 हिंदू मंदिर हैं और लगभग 130 मस्जिद। समन्वय को दर्शाते इस शहर में देखने को बहुत कुछ है। कटी घाटी जो मात्र एक फाटक है, इसका प्रवेश द्वार है। यह चंदेरी के दक्षिणी किनारे पर स्थित है और बुंदेलखंड और मालवा के बीच एक कड़ी का काम करता था। एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित कीर्ति दुर्ग नामक विशाल चंदेरी किले का निर्माण 11वीं शताब्दी में राजा कीर्तिपाल ने किया था। यह किला विभिन्न सांस्कृतिक और स्थापत्य तत्वों का एक सम्मिश्रण भी है, जो प्रत्येक वह शासक जिसने इसे जीता था, अपने साथ लाया था। अलाउद्दीन खिलजी, बाबर और बुंदेलों ने इसका पुनर्निर्माण किया और अपनी पसंद और शैली की छाप छोड़ी। इस भव्य किले में तीन विशाल दरवाजों से प्रवेश किया जाता था, जिनमें से केवल एक ही बचा है, जिसे खूनी दरवाजा कहा जाता है। हालांकि, इसे बुंदेला दरवाजा कहा जाता था, क्योंकि इसका निर्माण बुंदेला राजपूतों ने कराया था, लेकिन इसने इतने रक्तपात देखे कि इसका नाम खूनी दरवाजा पड़ गया। कहा जाता है कि जब बाबर ने किले की घेराबंदी की, तो यह दरवाजा सचमुच खून से नहा गया था। प्रवेश करते ही बायीं तरफ है जौहर स्मारक, जो 1528 में बाबर के आक्रमण के समय 600 राजपूत महिलाओं के सामूहिक बलिदान की स्मृति में बनाया गया था। उससे थोड़ा आगे चलकर प्रसिद्ध संगीतकार बैजू बावरा की समाधि है। यहां नौखंडा महल है, जिसमें एक केंद्रीय प्रांगण, फव्वारा और टैंक है, जिसे 16वीं शताब्दी में बुंदेला राजा दुर्जन सिंह ने बनवाया था। इसी परिसर में अलाउद्दीन खिलजी द्वारा निर्मित एक मस्जिद भी मौजूद है, जिसमें जटिल पत्थर की नक्काशी है, जिसमें फूलों के डिजाइन और कुरान की आयतें लिखी हैं। यह किला चंदेरी के इतिहास का मूक साक्षी है। लक्ष्मण मंदिर के पास, खेतों के बीच स्थित यह मकबरा चंदेरी के गवर्नर की बेटी मेहरुनिस्सा और एक सेनापति के प्रेम का प्रतीक है। इसे 15वीं शताब्दी में गवर्नर ने ही बनवाया था। गवर्नर को उन्हें अलग करने के लिए सेनापति को युद्ध पर भेजा और सैनिकों से कहा कि वह युद्ध से जिंदा वापस न लौटे। यह जान शहजादी ने रोजा रखे। सेनापति बच गया और चंदेरी वापस आ गया। वह घायल था। मेहरुनिस्सा उससे जब मिली तो वह आखिरी सांसें ले रहा था। मेहरुनिस्सा ने भी तभी अपने प्राण त्याग दिए। शहजादी का रोजा नाम इसलिए पड़ा, क्योंकि शहजादी ने रोजे रखे हुए थे। गवर्नर ने यह मकबरा बनवाया। उन्होंने दोनों प्रेमियों को इसी मकबरे में दफनाया। तब वहां चारों ओर पानी था, कहा जाता है कि वह हर शाम नाव से इस मकबरे पर आता था। यह भव्य संरचना 12 फीट ऊंचे चबूतरे पर बनी है। कभी इसके शीर्ष पर स्थित गुंबद अब मौजूद नहीं है। बाहरी अग्रभाग के दो तल छज्जों से अलग हैं। दोनों तलों पर ये छज्जे अतिरिक्त रूप से सर्पाकार ब्रैकेट पर टिके हैं। अवशेष एक कहानी सुनाते हैं, यह इस स्थान को देख समझा जा सकता है। इसका निर्माण सुल्तान महमूद शाह खिलजी ने 1450 में करवाया था। संभवतः इसे महल में आने वाले गणमान्य अतिथियों के स्वागत द्वार के रूप में बनवाया गया था। जैसा कि नाम से पता चलता है, यह संभवतः बादल महल या 'बादलों में महल' नामक महल का प्रवेश द्वार था। हालांकि, अब ऐसा कोई महल नहीं बचा है। यह किले की दीवारों के भीतर स्थित है और दोनों ओर सुंदर ढंग से सजे बगीचों से होकर यहां पहुंचा जा सकता है। इसमें दो विशाल, पतले बुर्ज हैं जो उनके बीच दो मेहराबों को घेरे हुए हैं। इन दोनों मेहराबों के बीच जेल के आकार के खंड हैं। कभी इन दोनों मेहराबों के बीच कोष्ठकों पर टिका एक छज्जा हुआ करता था। बादल महल द्वार से कुछ सौ मीटर की दूरी पर स्थित, जामा मस्जिद तीन गुंबदों वाली एक भव्य इमारत है। इसके प्रवेश द्वार पर विभिन्न ज्यामितीय और पुष्प आकृतियों की नक्काशी है। भीतर एक आंगन उत्तर और दक्षिण दिशा में स्तंभों वाले मठ हैं, जबकि पश्चिम दिशा में प्रार्थना कक्ष है।

इस पश्चिमी छोर पर तीन सफेद संगमरमर के गुंबद हैं। एक दिलचस्प विशेषता यह है कि मस्जिद में कोई मीनार नहीं है। इसमें प्रवेश करते ही सबसे पहले दोनों ओर बने सुंदर बगीचे ध्यान खींचते हैं। इसका निर्माण मालवा के सुल्तान महमूद शाह खिलजी ने 1445 ई. में जौनपुर के सुल्तान महमूद शर्की पर कालपी के युद्ध में अपनी विजय के उपलक्ष्य में करवाया था। इस महल की खासियत यह है कि इसकी मंजिलों पर तीन अलग शैलियां दिखती हैं, जैसे अफगानी, मालवा और बुंदेलखंडी। कहा जाता है कि इसकी सात मंजिल थीं, लेकिन वर्तमान में सात मंजिलों में से केवल चार ही बची हैं, तीन पूरी तरह से और चौथी मंजिल का एक हिस्सा।

मदर्स डे

8 मई को विश्व के अधिकांश देशों में श्मदर्स डे मनाया जाता है ।भारत मे भी लोग इसे मनाने लगे हैं यह सोचकर कि उन्हें भी अंग्रेजो की भांति श्एडवांस श्,फैशनेबल और शिक्षित समझा जायेगा।

यहां विचारणीय बात यह है कि भारत जैसे देश मे जहां मां की महिमा का गुणगान सनातन काल से किया जा रहा है और जहां नारी शक्ति को ईश्वर से बढ़कर पूज्य माना गया है, वहां श्मदर्स डेश मनाने का औचित्य क्या है ।क्या ये देश की भावी पीढ़ी को एक भ्रामक संदेश देने का प्रयास नहीं है?

सदियों से हमारे देश मे मां की पूजा एक दिन नहीं ,प्रति दिन की जाती रही है और उसे ईश्वर से बढ़कर आराधनीय माना जाता रहा है ।हमारे वेद और पुराणों ने मां का भरपूर महिमा मण्डन किया है ।विश्व की सबसे प्राचीन संस्कृति वाले देश मे जो विश्व गुरू के रूप मे प्रख्यापित रहा है उसे उन देशों का अनुकरण करने की आवश्यकता क्यों है जिनकी सभ्यता और संस्कृति हमारे आगे बौनी है ।

वास्तविकता तो यह है कि अंग्रेज जब भारत मे हमारे ऊपर शासन करने आये तो वे हमारी सुदृढ़ सनातन सांस्कृतिक चेतना, नैतिकता, मानवीय मूल्य और जीवनशैली से अत्यंत प्रभावित थे ।उन्हें हमारे ऊपर शासन करने के लिए जैसा समाज चाहिए था वह नहीं मिल रहा था । उनके महान शिक्षा विद् मैकाले ने संपूर्ण भारत का भ्रमण कर के यह भलीभांति समझ लिया था कि इन्हें दबाने और जीतने के लिए इनकी संस्कृति की रीढ़ की हड्डी को तोड़ना पड़ेगा अर्थात इन भारतीयों की सोच पर कुठाराघात करना पड़ेगा और अपनी अंग्रेजी भाषा ,विचार और सभ्यता का प्रभाव इन पर डालना होगा ।मैकाले ने हमे प्रभावित करने के लिए रणनीति बनाई और इसमे वो शतप्रतिशत सफल हुआ ।उसने हमारी सोच पर ऐसा मनोवैज्ञानिक रूप से प्रहार किया जिससे हम आज तक उबर नहीं सके हैं ।ये श्मदर्स डे श आदि अंग्रेजी सभ्यता से प्रभावित उत्सव मैकाले की सोच और रणनीति का ही परिणाम हैं।

हमारी संस्कृति मे ,श्मातृदेवो भव पितृदेवो भव श कहक र उनकी आराधना देवताओं के समान की गयीं है और मां की महत्ता तो पिता से भी बढ़कर मानी गई है ।यहां दस उपाध्याय से श्रेष्ठ आचार्य, सौ आचार्य से श्रेष्ठ पिता और सहस्त्रों पिता से ऊंची मां कही गई है ।हमारी संस्कृति मे सुबह सूर्योदय से पूर्व उठकर माता पिता का चरण स्पर्श करके उनका आशीर्वाद प्राप्त करके सूर्य दर्शन करना सनातन प्रथा रही है जिसे आज भी भारतीय संस्कृति के अनुरागियों के घर मे देखा जा सकता है । शैशवावस्था से लेकर किशोरावस्था तक बालक मां की आत्मा का वह अंग बनकर जीता है जिसमे मां अपनी शिक्षा, संस्कार व जीवनशैली के गुणों का भरपूर आरोपण करके उसे निखारती है ।इतिहास साक्षी है कि हर युग मे अपने चरित्र से समाज को दिशा दिखाने वाले पराक्रमी और यशस्वी अमर पुत्रों के जीवन को संवारने वाली उनकी मातायें ही रहीं है ।

जिस देश मे मां को ईश्वर से भी बढ़कर स्थान दिया गया हो और जिस उपनयन से लेकर सभी संस्कारो मे सर्व प्रथम मां का चरण स्पर्श वरदान का द्योतक माना जाता हो वहां श्मदर्स डे श का आयोजन क्या विवेक सम्मत है?

प्रेमाराय

भूतपूर्व सहायक शिक्षा निदेशक

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

मिला खजाना प्रेम का, रिश्ते यह अनमोल।
सोने-चांदी से कभी, मत रिश्तों को तोल।।
मत रिश्तों को तोल, इन्ही से जीवन अपना।
बहे प्रेम की धार,तभी हो पूरा सपना।।
कहती रचना आज , हमे संसार सजाना।
रिश्ते बुनकर राह, प्रेम का मिला खजाना।।

मिला खजाना ज्ञान का, हुई कृपा भरपूर।
बैर भाव सब मिट गया, अंहकार भी चूर।।
अहंकार भी चूर, मिटा तम भीतर सारा।
दिखी ईश की राह, प्रेम की बहती धारा।।
कहती रचना आज, हमें उर भाव सजाना।
नमन करे गुरु देव, ज्ञान का मिला खजाना ।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

निमरत कौर

सुरक्षित रहना हर लड़की का जन्मसिद्ध अधिकार, मुंबई में समझी सेफ होना कैसा महसूस होता है

एक्ट्रेस निमरत कौर इस वक्त श्द फैमिली मैन सीजन 3श में नेगेटिव रोल के लिए तारीफें बटोर रही हैं। पिछले कुछ समय में वह नेगेटिव रोल में ही दिखी हैं। निमरत ने अपने इस रुझान के अलावा महिलाओं की सुरक्षा और अन्य मुद्दों पर बात की। नाटक हों या विज्ञापन की दुनिया या हो फिल्में या फिर ओटीटी, निमरत कौर ने खुद को हर जगह साबित किया। श्द लंचबॉक्सश जैसी फिल्म से सभी का दिल जीतने वाली ये एक्ट्रेस श्एयरलिफ्टश और श्दसवींश जैसी फिल्मों में नजर आईं। पिछले दिनों वेब सीरीज श्कुलश में सराही गई निमरत इन दिनों चर्चा में हैं अपनी नई वेब सीरीज श्द फैमिली मैनश के सीजन 3 के नेगेटिव रोल से। उनसे एक खास बातचीतरू अब तक आप परदे पर काफी मजबूत महिला किरदारों में नजर आई हैं, मगर आम जिंदगी में आपको लड़कियों से जुड़ी कौन–सी बात सबसे ज्यादा परेशान करती है?– लड़की होने के साथ जो असुरक्षा की भावना जुड़ी है, वो दुनिया के किसी भी प्रोफेशन या जगह से बड़ी है। यह सिर्फ ऑफिस या सेट की बात नहीं है, आप सड़क पर निकल जाइए, पब्लिक ट्रांसपोर्ट में बैठिए, हर जगह एक अजीब–सा अहसास रहता है कि आप पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं। मैं दिल्ली में पली–बढ़ी हूं, और जब मुंबई आई, तो पहली बार समझ में आया कि 'सेफ होना कैसा महसूस होता है'। और उसी समय यह सवाल और गहरा हुआ कि मुझे पहले कभी ऐसा क्यों नहीं लगा? यह मुद्दा सिर्फ दिल्ली या किसी एक शहर का नहीं। क्यों दुनिया ऐसी हो जहां सुरक्षा के नजरिए से लड़की होना ही नुकसानदायक लगने लगे?काम, समर्पण, मेहनत, ये सब हम भी उतनी ही करती हैं, जितना कोई भी इंसान करता है, फिर हम क्यों सबसे पहले खुद को सुरक्षित रखने की जद्दोजहद में लगे रहें? क्यों किसी लड़की को यह 'फायदा' लगे कि 'अच्छा है, यहां सेफ्टी ज्यादा है'? सेफ्टी कोई सुविधा नहीं, हमारा हक है। सुरक्षित रहना मेरा और हर लड़की का, जन्मसिद्ध और मौलिक अधिकार है। इस पर सवाल ही नहीं उठना चाहिए। क्या आपको एक लड़की होने के नाते क्या आपको कभी हीनता से गुजरना पड़ा है? –मैं खुशकिस्मत हूं कि मेरी परवरिश ऐसी हुई है कि मुझे कभी भी इस तरह का अहसास नहीं हुआ।मुझे कभी ये नहीं कहा गया कि मैं लड़की हूं, तो ये नहीं कर सकती या वो नहीं कर सकती। मुझ पर कभी भी कोई निर्णय थोपा नहीं गया। मैं इस मामले में खुद को बहुत प्रिवलेज समझती हूं, मगर मुझे लगता है कि लड़कियों को अपना वुमन कार्ड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। आप लड़की हैं, तो आप उसे अपनी सुविधानुसार अपने लिए इस्तेमाल न करें। कई बार आप लड़की होने का फायदा उठाने चाहते हैं और फिर कई बार ये भी का उठते हैं कि मैं लड़की हूं, तो इसका मतलब ये नहीं कि मैं ये नहीं कर सकती। लड़की होने के नाते आप दोहरा मापदंड नहीं बल्कि एक सिंसिएरिटी लेकर चलें। आपको आपका काम आगे बढाए, न कि आपका जेंडर।एक एक्ट्रेस के रूप में आज आपके लिए रोल लिखे जाते हैं, शहर की होर्डिंग्स में आपके शोज या फिल्मों के बड़े–बड़े पोस्टर लगते हैं, मगर आपको अपने करियर का होर्डिंग पर लगा पहला पोस्टर याद है? –बिलकुल याद है। वो पोस्टर था श्द लंचबॉक्सश का। मुंबई के जुहू सर्कल पर हमेशा विशाल होर्डिंग्स लगते थे और किसी ने बताया कि वहां हमारी फिल्म का भी एक बड़ा सा पोस्टर लगा है। उस समय सोशल मीडिया का शोर इतना नहीं था, तो मेरे उत्साह का अंदाजा आप लगा सकते हैं। मैं बार–बार सोच रही थी, श्अरे, मेरा इतना बड़ा पोस्टर!' और उसे देखने खुद पहुंच गई। लेकिन जब मैंने वो होर्डिंग देखा३ मैं उसमें उल्टी थी! इरफान चिट्ठी पढ़ते और खाना खाते दिख रहे थे, और मेरी तस्वीर उल्टी लटक रही थी। कुछ समझ नहीं आया कि हंसू या रो पडूं (हंसते हुए याद करती हैं) लेकिन कुछ दिन बाद, किस्मत ने जैसे मुझे गले लगा लिया। एक मशहूर मक्खन के विज्ञापन में मैं मुख्य लड़की थी, और उस ऐड का पोस्टर बिल्कुल लंचबॉक्स के अंदाज में था। जब खुद को उस नए पोस्टर में सही तरह से सजा–संवरा देखा, तो दिल को बड़ी तसल्ली मिली। ऐसा लगा जैसे पहले पोस्टर की 'उलटी याद' का ये मीठा जवाब था। आज एक तरफ आपके द्वारा किए जाने वाले शो (एक –एक घंटे के 7–8 एपिसोड) जैसे लॉन्ग फॉरमेट कॉन्टेंट हैं और दूसरी तरफ आज 2–3 मिनट के माइक्रो ड्रामा के रूप में वर्टिकल शोज का चलन देखने को मिल रहा है, क्या कहना चाहेंगी?–मैं आपको बताऊं, मैंने कई सालों तक विज्ञापन फिल्मों में काम किया है और उसमें तो आप 20–30 सेकेंड्स में प्रोडक्ट को बेच कर निकल जाते हैं, तो मुझे एड्स में अनुभव है, इस तरह के काम करने का। मेरा मानना है कि लॉन्ग फॉर्मेट हो या माइक्रो ड्रामा, एंगेजिंग होना चाहिए।

ना साड़ी, ना लहंगा–जाह्नवी का बोल्ड ऑफ–शोल्डर लुक वायरल, दिखीं कहर ढाती अदाएं

स्टार किड्स की दुनिया में कई चेहरे होते हैं, लेकिन श्रीदेवी की बेटी जाह्नवी कपूर का जादू अलग ही है। एक्टिंग, डांस और स्टाइल तीनों में माहिर जाह्नवी हर बार अपने लुक से लोगों का ध्यान खींच लेती हैं। हाल ही में जाह्नवी ने एक इवेंट में ऐसा लुक पहना कि सबके दिल जीत लिए। इस बार उनकी कोर्सेट टॉप और स्कर्ट में एंट्री ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। जाह्नवी बचपन से ही कपूर परिवार की लाडली रही हैं। हालांकि उनकी पहचान पहले भी थी, लेकिन जब से वे लाइमलाइट में आई हैं, फैंस के दिल में उनकी अलग जगह बन गई है। जाह्नवी हर मौके पर कुछ नया करती हैं कभी पूजा–पाठ वाला संस्कारी अंदाज, तो कभी स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक। इस बार भी उन्होंने अपने स्टाइल में कोई कमी नहीं छोड़ी। इवेंट में न साड़ी, न लहंगा, बल्कि एकदम अलग और मॉडर्न आउटफिट पहना। जैसे ही जाह्नवी रेड कार्पेट पर पहुंचीं, सब उनकी ओर निहारते रह गए। आराम से हंसते–हंसते जाह्नवी ने मिनटों में सारी लाइमलाइट अपनी मुट्ठी में कर ली। जाह्नवी का आउटफिट अनामिका खन्ना ने डिजाइन किया। उनका यह येलो कलर वाला लुक उनके चेहरे और पर्सनैलिटी की ब्यूटी को और निखार रहा था। जाह्नवी अपने फैशन चॉइस में हमेशा सावधानी बरतती हैं, जिससे उनका लुक कभी बोरिंग नहीं दिखता। जाह्नवी ने इस बार यूनिक लुक के लिए कॉर्सेट–स्टाइल स्ट्रैपलेस टॉप पहना। टॉप का डिजाइन उनके शोल्डर और कॉलर बोन को खूबसूरती से हाइलाइट कर रहा था। फैब्रिक का मिक्स और टॉप के पीछे लगी जिप ने इसे परफेक्टली फिट बनाया। इन सभी एलिमेंट्स की वजह से उनका फिगर ब्यूटीफुली हाइलाइट हुआ और लुक एलिगेंट लग रहा था। स्ट्रैपलेस टॉप कई हसीनाओं ने पहना होगा, लेकिन जाह्नवी का टॉप सबसे हटकर नजर आया। टॉप पर हाथ से पेंटेड डिजाइन थे, जिसमें बेलों और फ्लोरल पैटर्न का काम किया गया था। येलो कलर के साथ यह वाइब्रेंट और अट्रैक्टिव लुक दे रहा था। कॉर्सेट टॉप के साथ जाह्नवी ने मस्टर्ड येलो स्कर्ट पेयर की। स्कर्ट सिल्क फैब्रिक की थी और हाई वेस्ट डिजाइन वाली थी। सॉफ्ट ड्रेपिंग और फ्लोइंग फॉल ने उनके मूवमेंट को एलिगेंट बना दिया। स्कर्ट और टॉप का कॉम्बिनेशन उनके लुक को रिच, मॉडर्न और ग्रेसफुल बना रहा था। जाह्नवी ने अपने आउटफिट के साथ ज्नतुनवपेम जेमस्टोन इयररिंग्स पहनी, जो उनके स्लीक हेयरस्टाइल के साथ सुंदर नजर आ रही थीं। हाथ में ब्रेसलेट भी था, जबकि गले में उन्होंने कुछ नहीं पहना ताकि टॉप हाइलाइट हो। हाथों में पोटली स्टाइल बैग भी देखा गया, जिस पर हैंड पेंट और गोल्डन फ्रिंज व बीडवर्क किया गया था। बैग ने मस्टर्ड टोन के आउटफिट को पूरी तरह से कॉम्प्लिमेंट किया और लुक को पूरी तरह आर्टिस्टिक और एलिगेंट बना दिया। जाह्नवी कपूर ने एक बार फिर साबित कर दिया कि स्टाइल, कॉन्फिडेंस और पर्सनैलिटी का सही मेल ही उन्हें नंबर–1 स्टार किड बनाता है। चाहे रेड कार्पेट हो या इवेंट, जाह्नवी हर बार हंसते–हंसते सबका दिल जीत लेती हैं।

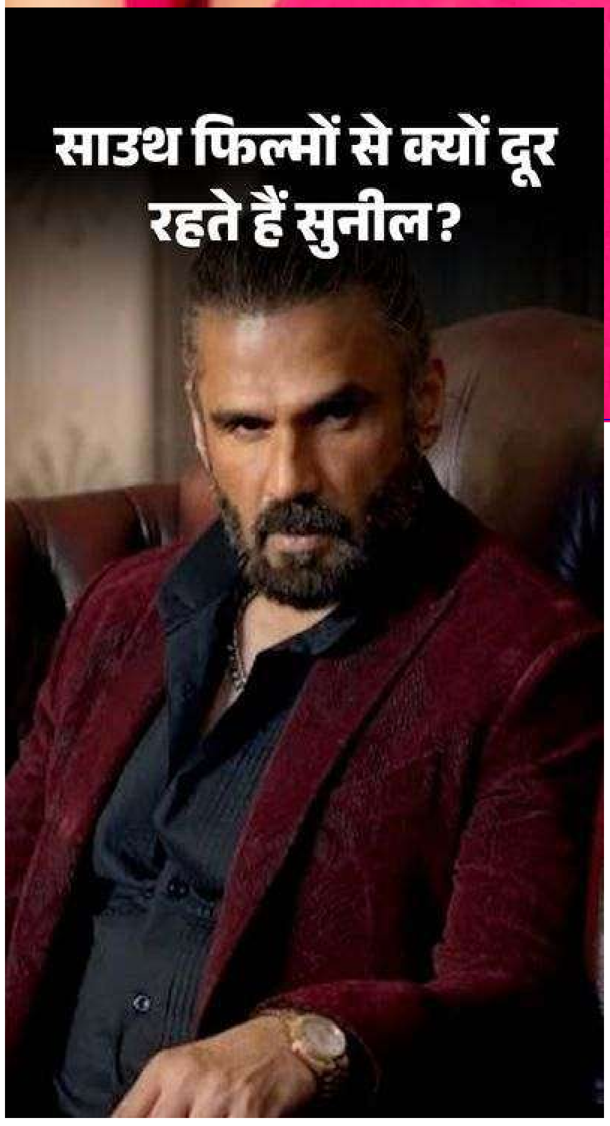

एक्टर सुनील शेट्टी हाल ही में दिल्ली में आयोजित एक मीडिया प्रोग्राम का हिस्सा बने। वहां पर एक्टर ने अपनी फिटनेस और फिल्मों पर खुलकर बात की। सेशन के दौरान उनसे साउथ फिल्म इंडस्ट्री से मिलने वाले ऑफर्स के बारे में सवाल किया गया। जवाब में एक्टर ने बताया कि उन्हें ऑफर्स मिलते हैं लेकिन वो उन्हें रिजेक्ट कर देते हैं।दरअसल, सुनील दिल्ली में आयोजित लल्लनटॉप अड्डा 2025 में पब्लिक सेशन में शामिल हुए थे। यहां पर उन्हें साउथ फिल्म इंडस्ट्री से मिलने वाले ऑफर्स पर कहा– मुझे साउथ से ऑफर्स मिलते हैं। लेकिन अफसोस, आप यह चलन देखेंगे कि हमें निगेटिव रोल के ऑफर्स मिलते हैं। वे हिंदी हीरो को खलनायक के तौर पर दमदार दिखाना चाहते हैं। वे कहते हैं कि यह स्क्रीन और दर्शकों दोनों के लिए अच्छा है। और यही एक चीज है जो मुझे पसंद नहीं है।श्एक्टर साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'दरबार' का हिस्सा बनने के कारण बताते हुए कहा– 'मैंने रजनी सर के साथ फिल्म की। वो मैं सिर्फ इसलिए करना चाहता था ।

लगभग एक दशक तक भाबीजी घर पर हैं में 'अंगूरी भाभी' का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने इस पॉपुलर कॉमेडी शो को अलविदा कह दिया है. 2016 में शिल्पा शिंदे के शो छोड़ने के बाद से शुभांगी अत्रे 'अंगूरी भाभी' के रोल में छाई हुई थीं. वहीं अब एक्ट्रेस ने शो के सेट से एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने भाबीजी घर पर हैं की शूटिंग के अपने आखिरी दिन की एक झलक दिखाई है. उन्होंने कलाकारों और क्रू मेंबर्स के साथ कुछ समय बिताया और आभार जताया. शुभांगी के शो छोड़ने के बाद अब शिल्पा शिंदे एक बार फिर 'अंगूरी भाभी' का किरदार निभाने के लिए तैयार हैं. शुभांगी अत्रे ने दिखाई अपने शूटिंग के आखिरी दिन की झलक शुभांगी अत्रे ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर श्भाबीजी घर पर हैंश के सेट से एक प्यारा सा वीडियो शेयर किया है. वीडियो में, वह कलाकारों और क्रू के सभी मेंबर्स को ग्रेटीट्यूड करती हुईं और उन्हें जलेबियां खिलाती हुई नजर आ रही हैं. उन्हें अपना श्एक्सटेंडेड परिवारश बताते हुए, शुभांगी ने लिखा, ष्जलेबी वाला. मेरे एक्सटेंडेड परिवार को अलविदा. शूटिंग का आखिरी दिन, ग्रेटीट्यूड.ष शुभांगी अत्रे ने श्भाबीजी घर पर हैंश छोड़ने पर क्या कहा? कुछ दिन पहले, शुभांगी ने शो छोड़ने की बात कंफर्म की थी. बॉम्बे टाइम्स से बात करते हुए, उन्होंने कहा, ष्मैंने हमेशा मिसेज कोहली से वादा किया था कि शो में मेरा सफर आन, बान और शान से शुरू होगा और ठीक वैसे ही खत्म भी होगा. मैं इससे बेहतर विदाई की उम्मीद नहीं कर सकती थी. इस बदलाव के कारणों में उलझने का कोई मतलब नहीं है. यहां से निकलकर फिर से काम की तलाश शुरू करने का कोई मतलब नहीं है. जिंदगी में इतना कुछ देखने के बाद, मैं अब पूरी तरह से तैयार हूं और सिर्फ अपनी बेटी और अपने काम पर ध्यान दे रही हूं। शुभांगी अत्रे ने शिल्पा शिंदे को दी शुभकामनाएं उन्होंने शिल्पा शिंदे को भी शुभकामनाएं दीं और कहा, मैं बस इतना कहना चाहती हूँ कि मैं अब इस बदलाव के खेल को खत्म कर रही हूं।

. मैंने अपनी मां को बताया कि शिल्पा नौ–दस महीने में शो छोड़ देंगी, तो ऐसा लगा जैसे उन्होंने मुझे एक न्यू बॉर्न बेबी को सौंप दिया हो. मैं शिल्पा और शो के 2.0 वर्जन के लिए पूरी टीम को तहे दिल से शुभकामनाएं देती हूं. वह एक शानदार अदाकारा हैं और मैं उनसे बेहद प्यार करती हूं।

सर्दियों में ब्रेकफास्ट के तौर पर खाएं ये 5 तरह के ओट्स

फाइबर से भरपूर ओट्स स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी माने जाते हैं। यह ग्लूटेन फ्री साबुत अनाज है जो महत्वपूर्ण पोषक तत्वों से भरपूर माना जाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा अधिक होती है। ओट्स खाने से कई सारी गंभीर बीमारियों का खतरा कम होता है। वेट लॉस डाइट में इनको शामिल करने की सलाह दी जाती है। वहीं सर्दियों में ओट्स का सेवन करने से इम्यूनिटी पॉवर मजबूत बनती है। ऐसे में आज आपको इस आर्टिकल के जरिए बताते हैं कि सर्दियों में आप ओट्स को कैसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। आइए जानते हैं...

ओट्स चिला

ओट्स से बना हेल्दी चिला आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह एक ऐसी हेल्दी रेसिपी है जिसे आप अपने मॉर्निंग ब्रेकफास्ट के तौर पर शामिल कर सकते हैं।

ओट्स एग ऑमलेट

ओट्स एग ऑमलेट के साथ आप अपने दिन की शुरुआत कर सकते हैं। अंडे में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है ऐसे में सुबह नाश्ते में इसका सेवन करने से बॉडी एनर्जेटिक रहेगी।

मसाला ओट्स

सिंपल मसालों से बने ओट्स को आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह एक ऐसी रेसिपी है जिसे आप ब्रेकफास्ट के तौर पर शामिल कर सकते हैं। सुबह गर्मा–गर्म मसाला ओट्स के साथ दिन शुरु करने से आपके शरीर को एनर्जी भी मिलेगी।

ओट्स सूप

स्वाद से भरपूर ओट्स का सूप आप डाइट में शामिल कर सकते हैं। नाश्ते के तौर पर इसका सेवन शरीर के लिए फायदेमंद रहेगा। आप शरीर को एनर्जेटिक रखने के लिए ओट्स का सेवन कर सकते हैं।

ओट्स इडली

लाइट और हेल्दी रेसिपी के तौर पर ओट्स इडली भी आपके लिए अच्छा ऑप्शन होसकती है। सांबर चटनी के साथ आप इसका सेवन करके नाश्ते के तौर पर कर सकते हैं। इसमें मौजूद पोषक तत्व आपके शरीर को एनर्जेटिक रखने में मदद करेंगे।

कोरोना से भी ज्यादा खतरनाक रहस्यमयी निमोनिया, जानिए इसके लक्षण और बचाव

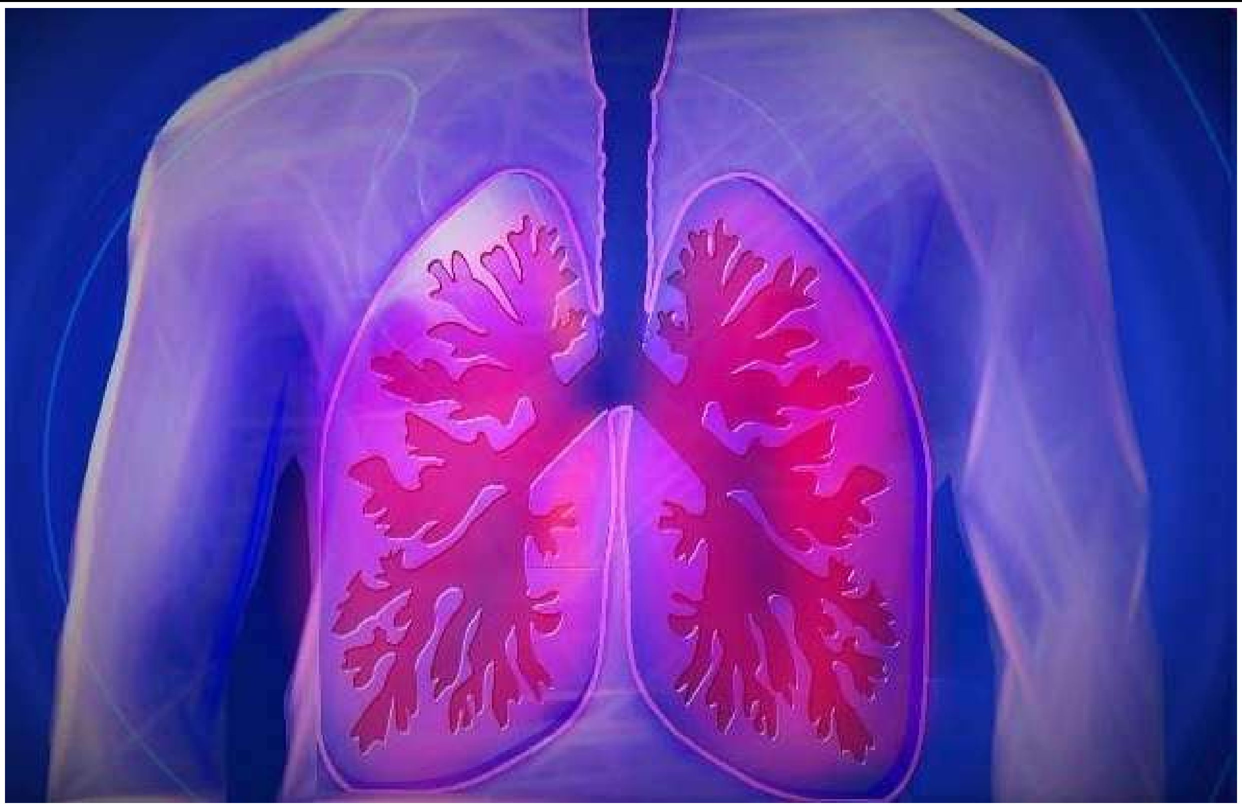

कोरोना अभी खत्म नहीं हुआ था कि चीन में फैली नई बीमारी ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इस बीमारी के चलते हर किसी के मन में अब डर फैल गया है। इस बीमारी की शुरुआत भी चीन से ही हुई है। इस बीमारी के संक्रामक के कारण एच9एन2 के मामलों पर डब्ल्यूएचओ भी पूरी तरह से अलर्ट पर है और स्वास्थ्य अधिकारियों से लगातार स्थिति के बारे में जानकारी देने और देश में बढ़ते संक्रामक रोग की रोकथाम के लिए प्रयास करने रहने की सलाह दी है। इन सबके बीच एक बड़ा सवाल यह पैदा होता है कि भारत को भी इस रोग को लेकर अलर्ट रहने की जरुरत है और इस बीमारी के लक्षण और बचाव क्या हैं...

क्या है बीमारी का मुख्य कारण?

एक्सपर्ट्स की मानें तो चीन में सर्दियों के मौसम की शुरुआत हो गई है और महामारी के बाद यह पहली सर्दी है जब जहां पर किसी तरह का प्रतिबंध नहीं है। लॉकडाउन और प्रतिबंधों के हटने के कारण भी यह बीमारी फैल रही है।

रहस्यमयी क्यों है ये बीमारी?

कोरोना की रोकथाम के लिए जो प्रतिबंध लगाए गए थे उन्हें अब हटा दिया गया है। जब ऐसे प्रतिबंध हटते हैं तो ऐसी इंफेक्शन बढ़ने के ज्यादा चांस होते हैं। चीन में यह मामले लगातार इसलिए बढ़ रहे हैं क्योंकि जानकारी अभी समय के साथ ही पता लगेगी। इसी रहस्यमयी इसलिए भी यह कहा जा रहा है क्योंकि अभी यह काफी नहीं है। इसके लक्षण अलग है और इसके बारे में अभी किसी को ज्यादा पता भी नहीं है।

निमोनिया से अलग हैं लक्षण

निमोनिया के सामान्य लक्षणों की बात करें तो उसें बलगम और बिना बलगम के साथ होने वाली खांसी, बुखार, ठंड लगना और सांस लेने में दिक्कत होना है लेकिन यदि चीन में फैली इस रहस्यमयी निमोनिया की बात करें तो इसके लक्षणों में बिना खांसी के तेज बुखार और फेफड़ों में सूजन शामिल है। निमोनिया के दौरान बच्चे की छाती में दर्द होना, खांसी आना, थकान और बुखार आम लक्षण हैं।

भारत में कम है बीमारी का जोखिम

चीन में बच्चों में एच9एन2 मामलों में प्रकोप और श्वसन संबंधी बीमारियों को लेकर भारत सरकार स्थिति पर नजर रख रही है और बचाव के लिए सारे आवश्यक कदम भी उठा रही है। आईसीएमआर और स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक इस बात को लेकर गंभीरता से उपाय भी कर रहे हैं जिससे जोखिमों से बचाव किया जा सकता है। भारत में इस वायरस के फैलने का खतरा काफी कम है इसके बावजद मंत्रालय इस स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है।

डब्ल्यूएचओ ने दी सलाह

फिलहाल स्वास्थ्य एजेंसी ने चीन को इस बीमारी और इससे जुड़े मामलों और लक्षणों पर कड़ी निगरानी रखने के लिए कहा है साथ ही डब्ल्यूएचओ ने इस वायरस से जुड़ी कुछ गाइडलाइन भी जारी की है जिसमें लोगों को सावधान रहने की सलाह दी है। डब्ल्यूएचओ की गाइडलाइन में लोगों को अपने अपने घरों और आस–पास के इलाकों में साफ–सफाई का खास ध्यान रखने के लिए कहा गया है। गाइडलाइन के अनुसार, शरीर में कोई भी लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की भी बात कही गई है। इसके अलावा सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क का इस्तेमाल करने के लिए भी कहा गया है।

मुल्तानी मिट्टी का करें इस्तेमाल, डैमेज्ड हेयर को रिपेयर करने में मिलेगी मदद

अक्सर लोग एक्सपेरिमेंट करने के चक्कर में अपने बालों पर केमिकल ट्रीटमेंट करवाते हैं। लेकिन केमिकल्स के कारण बाल बहुत अधिक डैमेज हो जाते हैं। ऐसे में मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल करना आपके लिए अच्छा है। यह आपके बाल शाफ्ट को पोषण और मजबूत करने में मदद करता है। मुल्तानी मिट्टी को अक्सर महिलाएं अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करती हैं। लेकिन यह आपके बालों के लिए भी उतना ही लाभदायी है। दरअसल, इसमें अब्जॉर्बेंट प्रॉपर्टीज होती हैं, जिसके कारण यह आपकी स्कैल्प से अतिरिक्त ऑयल को अब्जॉर्ब करने में मददगार है। इतना ही नहीं, यह आपके स्कैल्प को भी कंडीशन करती है। इसमें कई तरह के खनिज पाए जाते हैं, जो स्कैल्प को लाभ पहुंचाते है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल बालों में करने के कुछ बेमिसाल फायदों के बारे में बता रहे हैं–

बालों को करता है कंडीशन

मुल्तानी मिट्टी से हेयर वॉश करने का एक सबसे बेहतरीन लाभ यह है कि यह आपके बालों की गंदगी को दूर करने के साथ–साथ उसे कंडीशन भी करता है। खासतौर से, अगर आपके बाल कर्ली हैं तो मुल्तानी मिट्टी के कंडीशनिंग गुण आपके बालों को मैनेजेबल बनाते हैं।

डैमेज हेयर को करे रिपेयर

अक्सर लोग एक्सपेरिमेंट करने के चक्कर में अपने बालों पर केमिकल ट्रीटमेंट करवाते हैं। लेकिन केमिकल्स के कारण बाल बहुत अधिक डैमेज हो जाते हैं। ऐसे में मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल करना आपके लिए अच्छा है। यह आपके बाल शाफ्ट को पोषण और मजबूत करने में मदद करता है। जिससे आपके बाल चिकने और मुलायम बनते हैं। साथ ही, केमिकल ट्रीटमेंट से डैमेज्ड हेयर को रिपेयर करने में मदद मिलती है।

स्कैल्प को डैमेज होने से बचाता है

मुल्तानी मिट्टी के इस्तेमाल से सिर्फ डैमेज्ड हेयर को रिपेयर करने में मदद ही नहीं मिलती है, बल्कि यह स्कैल्प को डैमेज होने से भी बचाता है। मुल्तानी मिट्टी को हेयर क्लींजर के रूप में इस्तेमाल करने से स्कैल्प को क्लीन करने में मदद मिलती है और यह स्कैल्प पर मौजूद कीटाणुओं व बैक्टीरिया को खत्म किया जा सकता है।

हेयर फॉलिकल्स होते हैं मजबूत

मुल्तानी मिट्टी में कई तरह के खनिजों और पोषक तत्व पाए जाते हैं। जिसके कारण यह ना केवल डैंड्रफ और परतदारपन को खत्म करके आपकी स्कैल्प को स्वस्थ बनाती है बल्कि यह बालों की ग्रोथ को बेहतर बनाने के लिए आपके हेयर फॉलिकल्स को भी मजबूत बनाती है। अगर बालों के लिए मुल्तानी मिट्टी का उपयोग किया जाए तो इससे बाल मजबूत होते हैं और अपेक्षाकृत कम टूटते हैं।

बेहद खतरनाक हो सकता है प्रेग्नेंसी में सोडा और कोल्ड ड्रिंक्स का सेवन

कोल्ड ड्रिंक्स में चीनी की मात्रा बहुत अधिक होती है, जिसके कारण प्रेग्नेंसी में इसका सेवन करना बेहद खतरनाक हो सकता है। प्रेग्नेंसी में कोल्ड ड्रिंक्स का सेवन करने से महिला को शुगर की समस्या हो सकती है। इतना ही नहीं, इससे महिला को गर्भपात भी हो सकता है।

प्रेग्नेंसी एक ऐसी अवस्था है, जब महिला को अपना आवश्यकता से अधिक ध्यान रखना पड़ता है। ऐसा कहा जाता है कि गर्भावस्था में महिला को दो लोगों के लिए खाना चाहिए। हालांकि, इस दौरान तरह–तरह की फूड क्रेविंग्स होना स्वाभाविक है। प्रेग्नेंसी में अक्सर महिलाओं को कई अजीब तरह की क्रेविंग होती है। कुछ महिलाएं प्रेग्नेंसी में सोडा और कोल्ड ड्रिंक्स का सेवन करती हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि प्रेग्नेंसी में सोडा और कोल्ड ड्रिंक्स का सेवन कई मायनों में हानिकारक हो सकता है। जानिए इस लेख में–

दिमागी विकास के लिए हानिकारक

गर्भ में बच्चे का सिर्फ शारीरिक विकास ही नहीं होता है, बल्कि यह मस्तिष्क को भी नुकसान पहुंचा सकता है। अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि प्रेग्नेंसी में सोडा सेवन करने से बच्चे के मानसिक विकास पर असर हो सकता है। ऐसे बच्चों का सही तरह से मानसिक विकास नहीं हो पाता है।

होता है कैफीन अधिक

गर्भावस्था में कोल्ड ड्रिंक्स का सेवन मुख्य रूप से इसलिए नुकसानदायक माना गया है, क्योंकि इसमें कैफीन की काफी अधिक मात्रा होती है। कैफीन का अधिक सेवन कई मायनों में सेहत के लिए लाभदायक है। इतना ही नहीं, इससे महिलाओं को गर्भावस्था में अनिद्रा की समस्या भी पैदा कर सकता है। यह शरीर में पानी की कमी की वजह भी बन सकता है।

बढ़ जाता है शुगर काउंट

कोल्ड ड्रिंक्स में चीनी की मात्रा बहुत अधिक होती है, जिसके कारण प्रेग्नेंसी में इसका सेवन करना बेहद खतरनाक हो सकता है। प्रेग्नेंसी में कोल्ड ड्रिंक्स का सेवन करने से महिला को शुगर की समस्या हो सकती है। इतना ही नहीं, इससे महिला को गर्भपात भी हो सकता है।

हड्डियों को हो सकता है नुकसान

प्रेग्नेंसी में कोल्ड ड्रिंक्स का सेवन इसलिए भी हानिकारक माना जाता है, क्योंकि इससे महिला की हड्डियों को नुकसान हो सकता है। दरअसल, कोल्ड ड्रिंक्स में फास्फोरिक एसिड पाया जाता है जो हड्डियों के लिए हानिकारक हो सकता है। इससे जन्म लेने वाले बच्चे की हड्डियां भी कमजोर हो सकती हैं।

नहीं होते पोषक तत्व

कोल्ड ड्रिंक्स में किसी भी तरह के पोषक तत्व नहीं होते हैं, इसलिए गर्भावस्था में इसके सेवन से आपको किसी तरह का लाभ नहीं होता है। बेहतर होगा कि आप प्रेग्नेंसी में कोल्ड ड्रिंक्स के स्थान पर नारियल पानी, फलों के रस व नींबू पानी आदि का सेवन करें।

भारत–पाकिस्तान एशिया कप ट्रॉफी विवाद सुलझाने के लिए आईसीसी ने बनाई कमेटी! किसे सौंपी जिम्मेदारी ?

बेन डकेट और जैक क्रॉली ने लचीलापन दिखाया और दोनों छोर संभालते हुए ब्रिस्बेन में खेले जा रहे डे–नाइट एशेज टेस्ट के तीसरे दिन डिनर तक इंग्लैंड को बिना किसी नुकसान के 45 रन पर पहुँचा दिया। ऑस्ट्रेलिया इससे पहले 511 रनों पर ढेर हो गया था और उसे 177 रनों की विशाल बढ़त हासिल हो गई थी। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट (13′) और जैक क्रॉली (26′) डिनर तक नाबाद रहे और उन्होंने एक ठोस साझेदारी की। इंग्लैंड ने केवल छह ओवरों में 45 रन बनाकर इस घाटे को पूरा कर लिया। मिशेल स्टार्क ने शानदार 77 रनों की पारी खेली और वह दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष स्कोरर रहे। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे सत्र की शुरुआत 99 ओवरों में 450/8 के स्कोर पर की और 116 रनों की बढ़त हासिल कर ली। स्टार्क (46′) और स्कॉट बोलैंड (7′) क्रीज पर नाबाद थे। स्टार्क ने दूसरे सत्र के पहले ही ओवर में विल जैक्स की गेंद पर मिडविकेट की ओर चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। इस अर्धशतक के साथ, स्टार्क उन चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए जिन्होंने डे–नाइट टेस्ट मैच में 50 या उससे अधिक रन बनाए और पाँच विकेट लिए। वह दिलरुवान परेरा और जेसन होल्डर की सूची में शामिल हो गए। स्टार्क अब टेस्ट मैचों में नौवें नंबर के बल्लेबाज के तौर पर सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। इस ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज खिलाड़ी ने 64 टेस्ट मैचों की 77 पारियों में 22.34 की औसत से 1,408 रन बनाए हैं, जिसमें आठ अर्धशतक और 99 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। स्टार्क ने इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड को पीछे छोड़ दिया है। 109वें ओवर में स्टार्क ने गस एटकिंसन को

आउट किया और उनके ओवर में दो चौके जड़कर स्कोर 150 के पार पहुंचाया। 111वें ओवर में ब्रायडन कार्से ने आखिरकार स्टार्क को आउट कर दिया और 141 गेंदों पर 77 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद ब्रेंडन डोगेट भी बोलंड के साथ क्रीज पर आए। जैक ने 117वें ओवर में डोगेट को 13 रन पर आउट करके ऑस्ट्रेलियाई पारी का रुख मोड़ दिया। बोलैंड और डोगेट ने आखिरी विकेट के लिए 20 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया को 117.3 ओवर में 511 रन तक पहुँचाया। इससे पहले, शनिवार को गाबा में इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे दूसरे एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा कायम रहा और उसने तीसरे दिन चायकाल तक 99 ओवर में 8 विकेट पर 450 रन बनाकर 116 रनों की बढ़त बना ली।

संक्षिप्त

IMF की आलोचना : RBI Governor बोले– भारतीय आंकड़े काफी सटीक

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा भारतीय आंकड़ों और विनिमय दर प्रबंधन पर चिंता जताने के कुछ दिन बाद भारतीय रिजर्व बैंक ने देश का बचाव किया। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि जीडीपी को लेकर आरबीआई के पूर्वानुमान और महंगाई पर सरकारी आंकड़े काफी सटीक हैं, लेकिन सुधार की गुंजाइश हो सकती है। डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने कहा कि महंगाई, फैक्ट्री उत्पादन आदि ज्यादातर मामलों में भारतीय व्यवस्थाएं ए या बी ग्रेड में आती हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ राष्ट्रीय लेखाओं में सी ग्रेड मिला है, और ऐसा आधार वर्ष पुराना होने के वजह से है। उन्होंने कहा, यह आंकड़ों की गुणवत्ता या शुद्धता का मामला नहीं है। मामला सिर्फ पुराने आधार वर्ष का है। इस संशोधन के बाद मुझे लगता है कि वे इस मामले में संतुष्ट हो जाएंगे।

संदीप प्रधान ने सेबी के पूर्णकालिक सदस्य का कार्यभार संभाला

बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को घोषणा की कि संदीप प्रधान ने उसके पूर्णकालिक सदस्य के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। नियामक ने एक बयान में कहा कि चार दिसंबर को कार्यभार संभालने वाले प्रधान, बाजार मध्यस्थों, वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) से संबंधित विभागों, सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग, निवेशक सहायता और शिक्षा कार्यालय, साथ ही राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान के विनियमन और पर्यवेक्षण की देखरेख करेंगे। सेबी में शामिल होने से पहले वह पुणे में आयकर महानिदेशक (जांच) थे। अपने साढ़े तीन दशक से भी अधिक के करियर में प्रधान ने आयकर विभाग में विभिन्न पदों पर कार्य किया।

भारत का मीडिया–मनोरंजन बाजार 2029 तक 47 अरब डॉलर का होगा

घरेलू मनोरंजन और मीडिया उद्योग का आकार 2029 तक बढ़कर 47.2 अरब डॉलर होने का अनुमान है। 2024 में 32.2 अरब डॉलर था। आने वाले चार वर्षों में इसके 7.8 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने का अनुमान है जो कि वैश्विक औसत 4.2 प्रतिशत से दोगुना है। पीडब्लूसी इंडिया की रिपोर्ट में कहा गया कि इस वृद्धि की वजह डिजिटल भागीदारी का बढ़ना और ब्रॉडबैंड की पहुंच में विस्तार होना व ऑनलाइन सामग्री की अधिक खपत होना है। इन कारकों से सभी फॉमेट्स में दर्शकों का व्यवहार बदल रहा है और प्लेटफॉर्म्स, विज्ञापनदाताओं और क्रिएटर्स के लिए अवसर पैदा हो रहे हैं। इंटरनेट विज्ञापन सबसे तेजी से बढ़ने वाला सेगमेंट है। 2029 तक इसका आकार 15.9 प्रतिशत की दर से बढ़कर 13.06 अरब डॉलर होने का अनुमान है। 2024 में 6.25 अरब डॉलर पर था। ओवर–द–टॉप (ओटीटी) आधारित आय 2024 में 2.27 अरब डॉलर के बढ़कर 2029 में 3.47 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है। इसे क्षेत्रीय सामग्री, डायरेक्ट–टू–कंज्यूमर मॉडल और बढ़ते ग्राहकों का सपोर्ट मिलेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, हम एक ऐसे मोड़ पर हैं जहां टेक्नोलॉजी खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) असल में यह बदल रही है कि सामग्री कैसे बनाई और खोजी जाती है। उससे पैसे कमाए जाते हैं।

इंटरनेट ग्राहकों की संख्या बढ़कर 101 करोड़ के पार

देश में इंटरनेट का उपयोग बढ़ रहा है। अप्रैल–जून की तिमाही में इंटरनेट ग्राहकों की संख्या 100.28 करोड़ थी जो सितंबर तिमाही में बढ़कर 101.78 करोड़ हो गई है। यह दिखाता है कि देश में इंटरनेट का उपयोग हर महीने तेजी से बढ़ रहा है और लोग डिजिटल सेवाओं को अपनाते जा रहे हैं। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण के अनुसार, इंटरनेट ग्राहकों में वायरलेस यूजर की संख्या सबसे ज्यादा 97.33 करोड़ है। सिर्फ 4.44 करोड़ लोग वायर्ड इंटरनेट (ब्रॉडबैंड फाइबर कनेक्शन) का उपयोग करते हैं। यानी लोग मोबाइल इंटरनेट को अधिक सुविधाजनक मानते हैं और बड़ी आबादी ब्रॉडबैंड की तुलना में मोबाइल डाटा पर निर्भर है।

रिकॉर्ड उछाल के साथ 96 कंपनियों ने जुटाए 1.60 लाख करोड़, दिसंबर में आंकड़ा 1.85 लाख करोड़ छूने की उम्मीद

बाजार के इस साल सपाट रहने के बावजूद 96 कंपनियों ने आईपीओ से रिकॉर्ड 1,60,705 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड 2024 में था। उस समय 91 कंपनियों ने 1,59,783 करोड़ रुपये जुटाए थे। यह आंकड़ा दिसंबर के अंत तक 1.85 लाख करोड़ के करीब पहुंच जाएगा। दिसंबर में 25,000 करोड़ रुपये जुटाने का अनुमान है। एक्सचेंजों के आंकड़ों के मुताबिक, 5 दिसंबर तक कुल 1,60,705 करोड़ रुपये कंपनियों ने जुटाए हैं। छोटी और मझोली कंपनियों के इश्यू को मिला दें तो आंकड़ा 1.68 लाख करोड़ रुपये हो चुका है। इन कंपनियों ने भी 8,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जुटाई हैं। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड 11,000 करोड़ जुटाएगी। यह 10 दिसंबर के आस पास बाजार में उतर सकती है। 8 दिसंबर को कोरोना का 655 करोड़ और वेकफिट का 1,289 करोड़ का इश्यू खुलेगा। 10 दिसंबर को नेफ्रोकेयर का 871 करोड़ और पार्कमेडि का 920 करोड़ का आईपीओ आएगा। जुनिपर ग्रीन एनर्जी (3,000 करोड़) भी 10 दिसंबर के करीब उतरेगी। इनके अलावा फ्रैक्टल एनालिटिक्स (4,900 करोड़), क्लीन मैक्स एनवायरो (5,200 करोड़) और इनोवेटिवव्यू इंडिया जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं।

विमानन बाजार के लिए चेतावनी: उपभोक्ता अधिकारों पर प्रहार, स्टाफ संरचना और बाजार प्रभुत्व के स्तरों पर संकट

देश के घरेलू आसमान में इंडिगो की विशाल उपस्थिति ने जहां भारतीय विमानन को गति दी थी, वहीं मौजूदा व्यवधान ने यह भी स्पष्ट किया है कि अत्यधिक केंद्रीकरण किसी भी उद्योग के लिए कितना जोखिमपूर्ण साबित हो सकता है। पिछले कुछ दिनों की उथल–पुथल ने सामान्य यात्रियों, निवेशकों, नियामकों और प्रतिस्पर्धी कंपनियों को समान रूप से प्रभावित किया है। यह स्थिति इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सिर्फ एक एयरलाइन का परिचालन संकट नहीं बल्कि भारतीय विमानन प्रणाली की संरचनात्मक कमजोरियों को उजागर करने वाला परिदृश्य बन गया है। इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) की रिपोर्ट के अनुसार भारतीय घरेलू उड़ानों में इंडिगो का प्रभुत्व वर्षों से बढ़ता रहा है। मगर यही ताकत अब बाजार की कमजोरी बनकर सामने आई। जब अमेरिकी या यूरोपीय बाजार में कोई बड़ी एयरलाइन अवरोध का सामना करती है, वहां प्रतिस्पर्धी कंपनियां तुरंत दबाव कम कर पाती हैं। लेकिन भारतीय व्यवस्था में हाल ही में विलय, फ्लीट की कमी और नए विमानों की धीमी आपूर्ति ने संतुलन की क्षमता लगभग समाप्त कर दी है।

क्या कहना है विश्लेषकों का?

इंडस्ट्री विश्लेषकों का मानना है कि भारतीय बाजार में यात्रियों के लिए विकल्प का दायरा अत्यंत सीमित हो चुका है। इसलिए जैसे ही इंडिगो के नेटवर्क में लय टूटी, पूरे सेक्टर में एयरफेयर अप्रत्याशित रूप से बढ़ गए। कई रूट्स पर प्रतिस्पर्धी एयरलाइंस ने अवसर देखते हुए डायनेमिक प्राइसिंग इतनी तेजी से बढ़ाई कि सामान्य दिनों में उपलब्ध 5 से 7 हजार की टिकटें लगभग 8 से 10 गुना बढ़ गईं। यह संकेत है कि भारत में घरेलू विमानन विकेंद्रीकृत प्रतिस्पर्धा के अभाव का सामना कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार संकट के दौरान सबसे अधिक नुकसान यात्रियों को हुआ, परंतु उनका संरक्षण लगभग नगण्य रहा। यही कारण है कि

हालिया अव्यवस्था ने तीन बड़े सवाल खड़े किए हैं। पहला, क्या भारत को यूरोपीय देशों की तरह मजबूत पैसेंजर कंपेनसेशन कोड अपनाना चाहिए। दूसरा,क्या एयरलाइंस को फ्लाइट रद्द होने के समय स्पष्ट कारण बताना अनिवार्य होना चाहिए और क्या यात्रियों को वास्तविक समय में रोस्टरिंग व स्टाफिंग स्थिति की जानकारी देने का कोई पारदर्शी तंत्र बनना चाहिए। उपभोक्ता समूहों का आरोप है कि कंपनियां रद्दीकरण का बोझ हमेशा यात्रियों पर डालती हैं, जबकि परिचालन जोखिम उनकी अपनी जिम्मेदारी है।

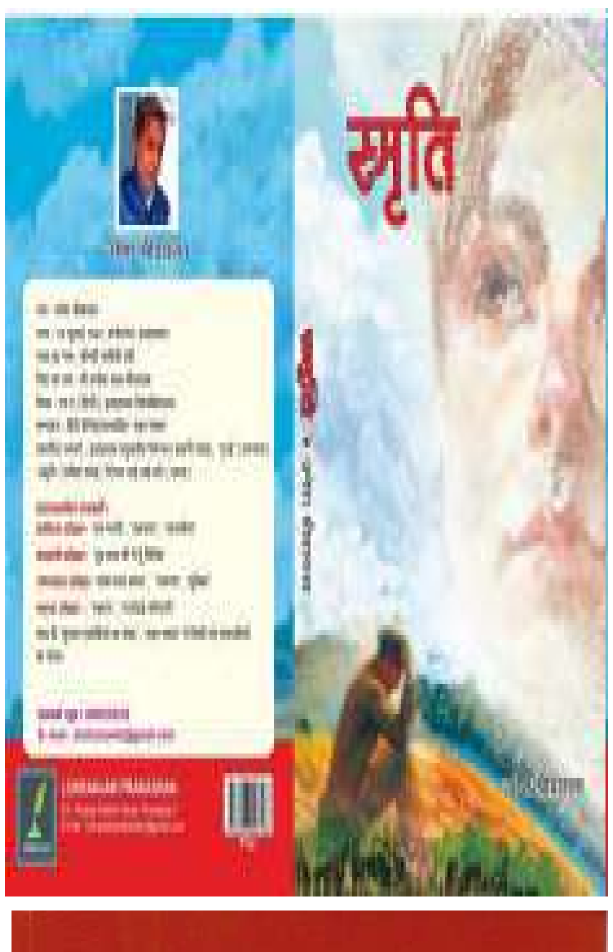

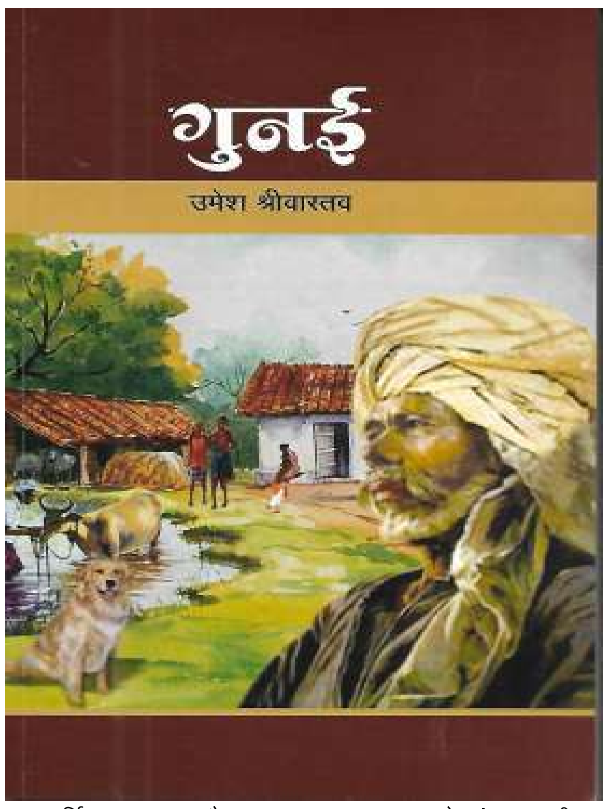

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

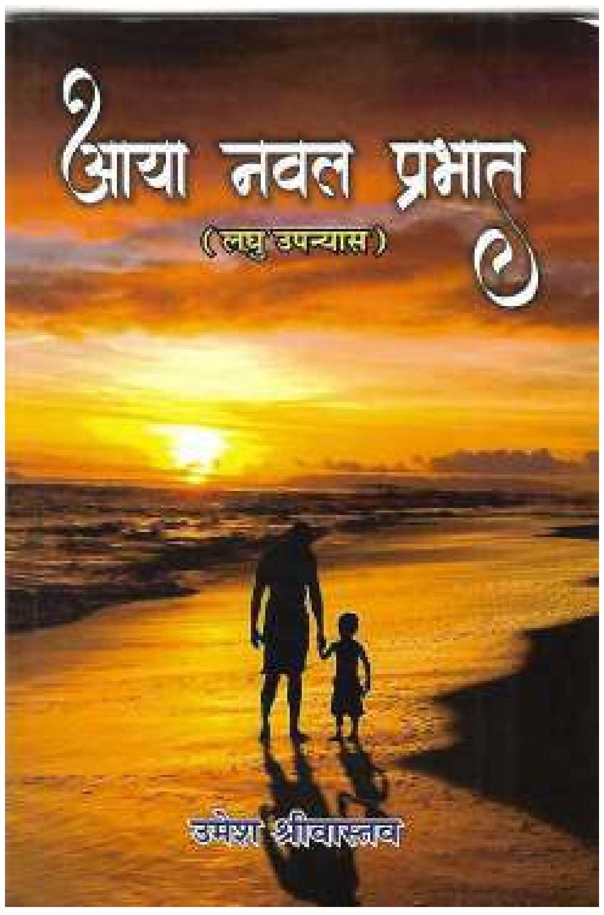

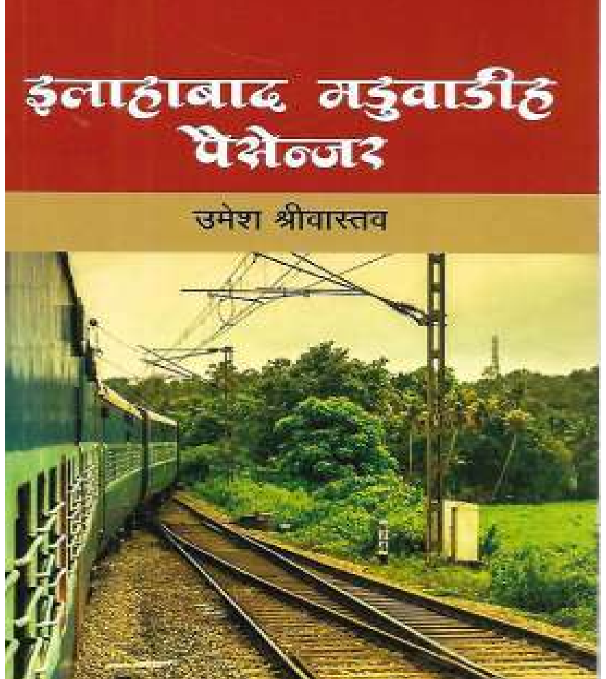

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

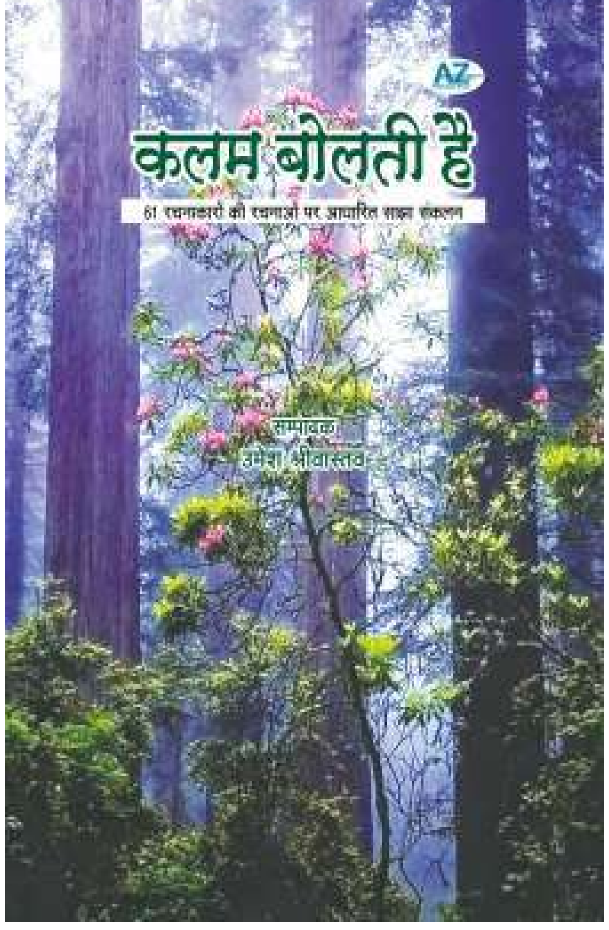

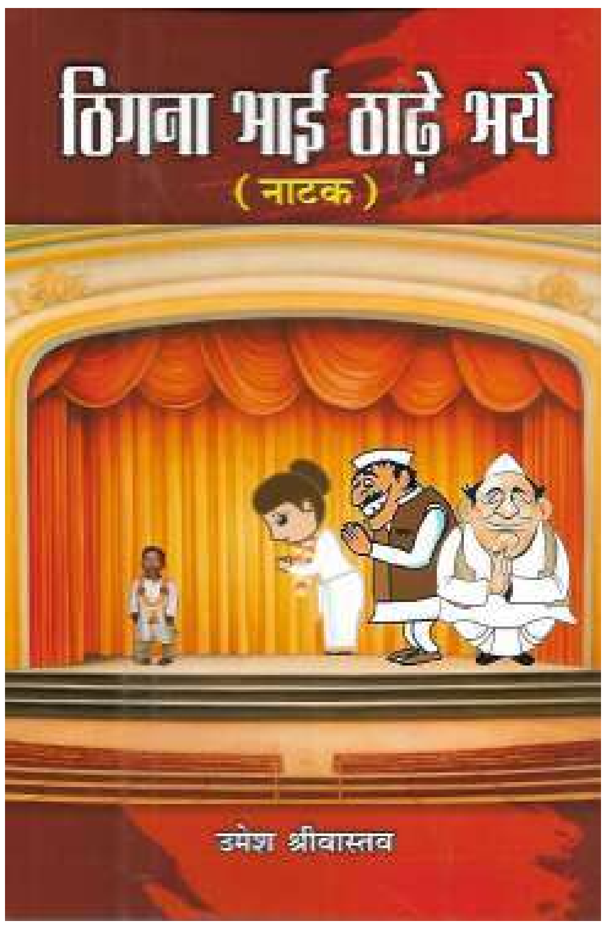

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

अमेरिका-यूरोप को लगा सबसे बड़ा झटका, मोदी-पुतिन ने मिलकर रूस के लिए यूएन में पलटा पूरा खेल

दिल्ली का पालम एयरपोर्ट रात का समय लाल कालीन हवा में हल्की ठंड और दुनिया की निगाहें भारत की राजधानी दिल्ली पर। रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन का विमान जैसे ही रनवे पर उतरा भारत की कूटनीति का इतिहास एक नया पन्ना जोड़ लेता है। क्योंकि उस रनवे पर किसी अधिकारी का किसी मंत्री का स्वागत नहीं हो रहा था। वहां भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिर्फ प्रोटोकॉल से हटकर नहीं बल्कि कूटनीति की परंपराओं को बदलकर और जैसे ही पुतिन नीचे उतरे दोनों ने पहले हाथ मिलाया फिर गले लगा लिया और दुनिया समझ गई दोस्त बदलते नहीं है पर भारत का आत्मविश्वास जरूर बदल गया है। यह दृश्य सिर्फ स्वागत नहीं था। यह स्पष्ट संदेश था एक दिलचस्प तेज निडर संदेश शो सीधे वाशिंगटन लंदन पेरिस बर्लिन तक पहुंच गया और सच तो यह है कि यह दृश्य था जिसे देखकर पश्चिम के रणनीतिकार इंडिया इज चेंजिंग ग्लोबल इक्वेशन कहते हैं। एक तरफ दिल्ली में पुतिन का स्वागत उसी समय न्यूयॉर्क के संयुक्त राष्ट्र में क्या चल रहा था यूक्रेन ने आरोप लगाया कि 6395 बच्चों को रूस ने जबरन अपने कब्जे में कर लिया अमेरिका यूरोप ने रूस के खिलाफ प्रस्ताव लाया। वोटिंग करनी थी, दबाव था, लॉबिंग थी। पश्चिम चाहता था कि भारत खुलकर रूस के खिलाफ वोट कर दे। लेकिन भारत ने कहा कि ना हम समर्थन करेंगे, ना विरोध करेंगे। हम शांति को प्राथमिकता देंगे और भारत ने किया एब्सेंट किया। अबब्सेंट ने पश्चिम के राजनीतिक गलियारों में वो करंट दौड़ा दिया जिसकी संभावना किसी ने नहीं की थी। भारत ने यूएन में कहा कि हम मानवाधिकारों की रक्षा के पक्ष में हैं। लेकिन राजनीतिक टकराव का हिस्सा हम नहीं बनने वाले। भारत ने सार्वजनिक रूप से रूस को डिप्लोमेटिक आइसोलेशन से बाहर निकाल दिया और सबसे महत्वपूर्ण बात दिल्ली ने दिखा दिया कि मॉस्को अब भी उसका स्टेबल पार्टनर है। पुतिन ने इसलिए विश्वास का संदेश दिया कि भारत एक भरोसेमंद शक्ति है। भारत ने बता दिया कि हम किसी भी रैल्यूशन का हिस्सा नहीं बनेंगे। जो आग बुझाने के बजाय और हवा दे यूएनजीए का प्रस्ताव युद्ध रोकने में मदद नहीं कर रहा था वो सिर्फ ब्लेम शिफ्टिंग था और भारत ब्लेम कैंप में खड़ा नहीं होता है। पीएम नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को हैदराबाद हाउस में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के साथ बैठक कर दुनिया के लिए कई संदेश दिए। दोनों देशों ने हेल्थ, मेबिलिटी शिपिंग समेत कई सेक्टर्स में अहम करारों पर सहमति के साथ साल 2030 तक का आर्थिक रोडमैप तैयार किया है। कुल मिलाकर एक लाइन में कहे कि दिल्ली में मोदी पुतिन ने हाथ मिलाया और न्यूयॉर्क में भारत ने दुनिया को दिखाया कि ना हम झुकते हैं ना हम टूटते हैं। हम सिर्फ अपने हितों के लिए खड़े होते हैं।

मोदी-पुतिन का 'न्यूक्लियर प्लांट' पर बड़ा खेल, हिले चीन-अमेरिका

रूस ने भारत की बढ़ती ऊर्जा ज़रूरतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक संयुक्त प्रेस वार्ता में कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र में चल रहे सहयोग पर प्रकाश डाला। पुतिन ने कहा कि कुडनकुलम परियोजना द्विपक्षीय सहयोग का एक प्रमुख उदाहरण बनी हुई है, जहाँ छह में से दो रिएक्टर पहले ही चालू हो चुके हैं और चार और रिएक्टर पूरा होने की ओर अग्रसर हैं। पुतिन ने कहा हम भारत के सबसे बड़े परमाणु

ऊर्जा संयंत्र, कुडनकुलम के निर्माण की एक प्रमुख परियोजना पर काम कर रहे हैं। छह में से दो रिएक्टर इकाइयों को पहले ही ऊर्जा नेटवर्क से जोड़ा जा चुका है, और चार अभी निर्माणाधीन हैं। इस परमाणु ऊर्जा संयंत्र को पूर्ण क्षमता पर लाने से भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं में उल्लेखनीय योगदान होगा। पुतिन की यह टिप्पणी रोसाटॉम द्वारा संयंत्र के तीसरे रिएक्टर की प्रारंभिक लोडिंग के लिए परमाणु ईंधन की पहली खेप की डिलीवरी की पुष्टि के तुरंत बाद आई। यह खेप रूस से हवाई मार्ग से आई है, जो परियोजना के अगले चरण के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है। पूरी डिलीवरी 2024 के एक समझौते के तहत सात कार्गो उड़ानों के ज़रिए होगी, जो तीसरे और चौथे रिएक्टरों के लिए आजीवन ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करता है। उल्लेखनीय है कि रूस भारत के लिए यूरेनियम ईंधन का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता बना हुआ है, जिसकी नवीनतम खेप नोवोसिबिर्स्क केमिकल कंसंट्रेट प्लांट में उत्पादित की जा रही है। पुतिन ने आगे कहा कि रूस तेल, गैस, कोयला और भारत के ऊर्जा विकास के लिए आवश्यक हर चीज़ का एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता बना हुआ है, और भारत की तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए निरंतर आपूर्ति का आश्वासन दिया। तमिलनाडु के दक्षिणी सिरे के पास स्थित, कुडनकुलम परमाणु संयंत्र में अंततः छह टरबन-1000 रिएक्टर स्थापित होंगे जिनकी संयुक्त क्षमता 6,000 मेगावाट होगी। पहले दो रिएक्टरों को 2013 और 2016 में ग्रिड से जोड़ा गया था, और शेष इकाइयों पर काम लगातार आगे बढ़ रहा है। ईंधन आपूर्ति के संबंध में मास्को के आश्वासन से भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा रणनीति को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

पढ़ाई के लिए धर्म बदलने को मजबूर हिंदू छात्राएं, कलमा पढ़ने के लिए मासूमों पर जबरन बनाया जा रहा दबाव

सिंध। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में अल्पसंख्यक हिंदू स्कूली छात्राओं को पढ़ाई जारी रखने के लिए इस्लाम धर्म अपनाने का दबाव बनाया गया। इसकी शिकायत के बाद सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि नवंबर अंत में सिंध के मीरपुर साक्रो में स्थित सरकारी हाई स्कूल की कुछ हिंदू छात्राओं के माता-पिता ने मीडिया को बताया था कि प्रधानाध्यापिका ने हिंदू छात्राओं से कहा था कि वे अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए इस्लाम धर्म अपना लें। माता-पिता ने आरोप लगाया कि हिंदू छात्राओं को कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया गया और हिंदू धर्म का मजाक उड़ाया गया। इस घटना से आक्रोश फैल गया। छात्राओं के माता-पिता का कहना है कि इस्लाम धर्म अपनाने या कलमा पढ़ने से इन्कार करने पर छात्राओं को उनके घर लौटा दिया गया। धार्मिक मामलों के राज्यमंत्री खीसो मल खील दास ने बृहस्पतिवार को संसद के उच्च सदन सीनेट को बताया कि प्रांतीय शिक्षा मंत्री ने इस मामले की जांच का आदेश दिया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

यूक्रेन युद्ध को लेकर लगातार तीसरे दिन बैठक करेंगे अमेरिकी और यूक्रेनी अधिकारी

अमेरिकी और यूक्रेनी अधिकारी युद्ध के बाद यूक्रेन के लिए एक सुरक्षा तंत्र तैयार करने की दिशा में हुई प्रगति के बाद वार्ताओं के तीसरे दिन फिर से बैठक करेंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सलाहकारों और यूक्रेनी अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वे रूस से शांति के लिए प्रतिबद्ध होने का आग्रह कर रहे हैं। फ्लोरिडा में शुक्रवार को दूसरे दिन बैठक करने वाले अधिकारियों ने एक संयुक्त बयान जारी किया। बयान में कहा गया है, "दोनों पक्षों ने इस बात से सहमति जताई है कि समझौता तभी हो सकता है कि जब रूस दीर्घकालिक शांति के प्रति गंभीर प्रतिबद्धता दिखाए। इसमें तनाव कम करने और हत्याओं को रोकने की दिशा में कदम उठाना शामिल है।" बयान में कहा गया है, "पक्षों ने अलग-अलग बैठकों में भविष्य के एजेंडे की भी समीक्षा की, जिसका उद्देश्य युद्ध के बाद यूक्रेन के पुनर्निर्माण, अमेरिकादृ यूक्रेन की संयुक्त आर्थिक पहलों और दीर्घकालिक परियोजनाओं को समर्थन देना है। मंगलवार को रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी दूतों के बीच हुई बातचीत के बाद अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जैरेड कुशनर ने फ्लोरिडा में यूक्रेन के मुख्य वार्ताकार रुस्तम उमेरोव से बातचीत की। पिछले कूटनीतिक प्रयास गतिरोध को तोड़ने में असफल रहे हैं और लगभग चार साल से युद्ध जारी है। अधिकारियों ने इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी कि ताजा वार्ताएं कैसी चल रही हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि फ्लोरिडा में मौजूद उनके देश का प्रतिनिधिमंडल अमेरिका से क्रेमलिन में हुई वार्ताओं के बारे में जानना चाहता था। जेलेंस्की और उनके समर्थन में खड़े यूरोपीय नेता कई बार पुतिन पर शांति वार्ताओं में देरी करने का आरोप लगा चुके हैं जबकि रूसी सेना हमले तेज करने की कोशिश कर रही है। जेलेंस्की ने बृहस्पतिवार देर रात एक वीडियो संदेश में कहा कि अधिकारी यह जानना चाहते थे कि "पुतिन ने युद्ध को लंबा खींचने और यूक्रेन पर दबाव बनाने के लिए और कौन-से बहाने बनाए हैं।" इस बीच क्रेमलिन के विदेशी मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव ने रूसी पत्रकार पावेल जारूबिन से शुक्रवार को कुशनर की प्रशंसा की और कहा कि वह रूस के यूक्रेन पर आक्रमण को समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उशाकोव ने क्रेमलिन में मंगलवार को हुई वार्ताओं में भी हिस्सा लिया था।

न्यूयॉर्क में घर में आग लगने के बाद भारतीय छात्रा की मौत, महावाणिज्य दूतावास ने दुख जताया

न्यूयॉर्क। अमेरिका में भारत की एक छात्रा की मौत हो गई। घर में आग लगने के कारण छात्रा को गंभीर चोटें आई थीं। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने यह जानकारी दी। सहज रेड्डी उदुमाला (24 वर्षीय) न्यूयॉर्क की राजधानी अल्बानी में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रही थी। भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उदुमाला की आकस्मिक मृत्यु से गहरा दुख हुआ। दूतावास ने कहा, इस कठिन समय में हमारे विचार और हार्दिक संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। इसने यह भी कहा कि वह उदुमाला के परिवार के संपर्क में है और हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। अल्बानी पुलिस विभाग ने एक बयान में कहा कि उनके कर्मी और अल्बानी दमकल विभाग ने चार दिसंबर की सुबह घर में आग लगने की सूचना के बाद तत्काल प्रतिक्रिया दी थी। जब वे घटनास्थल पर पहुंचे थे तो अधिकारियों और दमकल कर्मियों ने पाया कि घर पूरी तरह से आग में जल रहा था और कई लोग अभी भी घर के अंदर थे। कर्मियों की टीमें घर के अंदर चार वयस्कों को ढूंढने में सफल हुए, जिन्हें आपात मेडिकल कर्मियों ने मौके पर उपचार दिया और फिर उन्हें गंभीर चोटों के उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। इनमें से दो पीड़ितों को आगे के इलाज के लिए मेडिकल बर्न सेंटर में स्थानांतरित किया गया। पुलिस विभाग ने कहा, दुर्भाग्यवश वयस्क पीड़ित महिला ने आग में लगी चोटों के कारण अपनी जान गंवा दी। परिवार को सूचना मिलने तक पुलिस ने पीड़िता का नाम सार्वजनिक नहीं किया। लेकिन मृतक को उनके परिवार ने उदुमाला के रूप में पहचान लिया। उदुमाला केचचेरा भाई रत्न गोपू ने अंतिम संस्कार, श्रद्धांजलि सभा, वापसी और परिवहन के इंतजाम और परिवार की सहायता व अतिरिक्त खर्चों के लिए पैसा जुटाने का अभियान शुरू किया है। इस अभियान में गोपू ने कहा, हमारा परिवार एक अवर्णनीय त्रासदी का सामना कर रहा है, हमारी प्रिय चचेरी बहन सहज उदुमाला का एक भीषण अग्निकांड के बाद निधन हो गया। उन्होंने आगे कहा, सहज केवल 24 साल की थीं, एक मेहनती छात्रा थीं, जो न्यूयॉर्क के अल्बानी में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रही थीं और भविष्य को लेकर सपनों और उम्मीदों से भरी हुई थीं। गोपू ने कहा कि उदुमाला के शरीर के लगभग 90 प्रतिशत हिस्से में गंभीर रुप से झुलसने के निशान थे। उन्होंने कहा, उन्होंने पूरी ताकत के साथ संघर्ष किया। सभी चिकित्सा प्रयासों के बावजूद उनकी हालत बिगड़ती गई और आखिरकार उनके अंग पूरी तरह विफल हो गए, जिससे उनकी आज सुबह मृत्यु हो गई।

प्रोफेसर ने यहूदी धर्म स्थल के पास चूहे मारने के लिए की पिस्तौल से गोलीबारी, विवाद के बाद अमेरिका छोड़ा

बोस्टन। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के एक विजिटिंग प्रोफेसर कार्लोस पुर्तगाल गुवेआ को वीजा रद्द होने के बाद अमेरिका छोड़ना पड़ा है। ब्राजील मूल के गुवेआ ने पुलिस को बताया था कि उन्होंने अपने घर के पास चूहे मारने के लिए पिस्तौल का इस्तेमाल किया था। यह घटना योम किप्पुर (यहूदी समुदाय का पर्व) के दिन एक सिनेगॉग के पास हुई थी, जिसके बाद मामला तूल पकड़ गया। अमेरिकी आव्रजन विभाग ने बुधवार को कार्लोस को हिरासत में लिया। अधिकारियों के मुताबिक, गुवेआ निर्वासन का सामना करने के बजाय स्वेच्छा से अमेरिका से निकलने पर राजी हो गए। उनके वकील ने बताया कि वह गुरुवार को ब्राजील पहुंच गए। घटनास्थल के पास स्थित टेंपल बेथ जायन (सिनेगॉग) ने घटना के कुछ दिनों बाद सोशल मीडिया पर कहा था कि मामले में यहूदी-विरोधी भावना का कोई संकेत नहीं मिला है। शुरुआत में पुलिस ने भी बताया था कि गुवेआ को पता नहीं था कि वह सिनेगॉग के पास हैं या उस दिन कोई धार्मिक पर्व है। उनका कहना था कि वह केवल चूहे मार रहे थे। इसके बावजूद, अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग ने इस घटना को यहूदी-विरोधी कृत्य बताते हुए कड़ा रुख अपनाया। विभाग की सहायक सचिव ट्रिशिया मैक्लॉफलिन ने कहा कि अमेरिका में काम करना और पढ़ाई करना एक विशेषाधिकार है, अधिकार नहीं। उन्होंने कहा कि ऐसे हिंसक यहूदी-विरोधी कृत्यों के लिए देश में कोई स्थान नहीं है। रूकलाइन पुलिस के मुताबिक, घटना एक अक्तूबर की रात करीब नौ बजे हुई, जब योम किप्पुर के चलते सिनेगॉग में प्रार्थना चल रही थी। सुरक्षा गार्डों ने दो तेज आवाजें सुनीं और गुवेआ को एक पेड़ के पीछे बंदूक लिए खड़ा देखा।

पुलिस के पहुंचने पर प्रोफेसर और एक अधिकारी के बीच हल्की झड़प भी हुई। हालांकि बाद में गुवेआ को काबू में कर लिया गया। गुवेआ के खिलाफ प्रारंभ में तीन मामूली और एक गंभीर आरोप लगाए गए थे। उन पर पिस्तौल का गलत इस्तेमाल करने, तोड़फोड़ करने, गलत व्यवहार करने और शांति भंग करने के आरोप लगाए गए थे।

संक्षिप्त समाचार

अफगानिस्तान-पाक के बीच ताबड़तोड़ हमले, कई पाकिस्तानी चौकियां तबाह!

अफगानिस्तान के कंधार जिले के स्पिन बोल्डक के पास अफगान और पाकिस्तानी सेना के बीच ताज़ा झड़पों में चार नागरिक मारे गए और चार अन्य घायल हो गए। टोलो न्यूज़ के अनुसार, शुक्रवार शाम को शुरू हुई झड़पों के दौरान अफगान माज़ल गली और लुकमान गाँव के इलाकों में मोर्टार हमलों के

कारण ये मौतें हुईं। घायलों में एक महिला और एक पुरुष की हालत गंभीर है और उनका इलाज ऐनो मीना अस्पताल में चल रहा है। अफगानिस्तान के आधिकारिक प्रवक्ता, ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पर एक पोस्ट में पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए हमलों की पुष्टि की और दावा किया कि अफगान क्षेत्र में मौजूद पाकिस्तानी सैनिकों ने ही हमले शुरू किए। मुजाहिद ने शनिवार को एक्स पर अपने पोस्ट में कहा दुर्भाग्यवश, आज शाम पाकिस्तानी पक्ष ने एक बार फिर कंधार के स्पिन बोल्डक जिले में अफगानिस्तान की ओर हमले शुरू कर दिए, जिसके कारण इस्लामिक अमीरात बलों को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। इस बीच, डॉन के अनुसार, शुक्रवार देर रात चमन सीमा पर पाकिस्तानी और अफ़ग़ान बलों के बीच भारी गोलीबारी हुई, जिसमें दोनों पक्षों के अधिकारियों ने एक-दूसरे पर टकराव शुरू करने का आरोप लगाया। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी अधिकारियों ने दावा किया कि अफ़ग़ान बलों ने बदानी इलाके में मोर्टार के गोले दागे। आधिकारिक सूत्रों के हवाले से, पाकिस्तानी बलों ने अफ़ग़ान आक्रमण के ख़िलाफ़ जवाबी कार्रवाई की। क्वेटा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर डॉन को बताया कि गोलीबारी शुक्रवार रात लगभग 10 बजे शुरू हुई और शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात देर तक जारी रही।

भारत के दुश्मनों पर न्न का बड़ा एक्शन, बब्बर खालसा को फंडिंग पहुंचानेसिख व्यापारी और समूह पर लगाया बैन

ब्रिटेन ने खालिस्तान समर्थक आतंकवादी समूह बब्बर खालसा की वित्तीय सहायता रोकने के लिए प्रतिबंध लगाए हैं। यह पहली

बार है जब इस समूह पर ये प्रतिबंध लगाए गए हैं। ब्रिटेन ने गुरप्रीत सिंह रेहल के खिलाफ संपत्ति ज़ब्त करने और निदेशक पद के लिए अयोग्य घोषित करने की घोषणा की है, जिन पर भारत में आतंकवाद में शामिल संगठनों से जुड़े होने का संदेह है। इसी आतंकवादी समूह को बढ़ावा देने और समर्थन देने के लिए बब्बर अकाली लहर के खिलाफ भी संपत्ति ज़ब्त करने की घोषणा की गई है। ब्रिटेन के वित्त विभाग के अनुसार, रेहल बब्बर खालसा और बब्बर अकाली लहर की आतंकवादी गतिविधियों में शामिल है, जिसमें इन संगठनों को बढ़ावा देना और प्रोत्साहित करना, उनके लिए भर्ती गतिविधियाँ चलाना, वित्तीय सेवाएँ प्रदान करना और साथ ही हथियार और अन्य सैन्य सामग्री खरीदना शामिल है। सरकार ने यह भी कहा कि बब्बर अकाली लहर, बब्बर खालसा की आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ी है और समूह तथा स्वयं के लिए भर्ती गतिविधियों को बढ़ावा, प्रोत्साहन और संचालित करके उनमें शामिल है। ब्रिटेन में रेहल या बब्बर अकाली लहर के स्वामित्व, धारित या नियंत्रित सभी निधियों और आर्थिक संसाधनों की अब संपत्ति ज़ब्त कर ली गई है। रेहल पर निदेशक अयोग्यता प्रतिबंध भी लगाए गए हैं, जो उन्हें किसी कंपनी के निदेशक के रूप में कार्य करने या प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी कंपनी के प्रचार, गठन या प्रबंधन में भाग लेने या उससे संबंधित होने से रोकते हैं। वित्त मंत्री लूसी रिब्बी ने कहा कि जब आतंकवादी ब्रिटेन की वित्तीय प्रणाली का शोषण करते हैं, तब हम चुप नहीं बैठेंगे। यह ऐतिहासिक कार्रवाई दर्शाती है कि हम आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने के लिए अपने पास उपलब्ध हर उपकरण का उपयोग करने के लिए तैयार हैं, चाहे वह कहीं भी हो और चाहे इसके लिए कोई भी ज़िम्मेदार हो।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्प्यूटेक बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।